वर्ष: 2 अंक: 58,
पेज: 4, मुल्य 1 रु.
सुरत
बुधवार
29 अप्रैल 2020

दैनिक क्रांति समय

सुविचार :- जीना हैं तो अच्छे बनकर जियो, दिखावे के लिए तो हर कोई जीता हैं

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

तीन साल पहले चले गए मालिक का घर के बाहर बैठकर अब भी इंतजार कर रहा कुत्ता

बीजिंग । कुत्तों की वफादारी की मिसालें दी जाती हैं और इसके उदाहरण भी देखने को मिल जाया करते हैं। ऐसा ही कुछ चीन में देखा गया जहां एक कुत्ता 3 साल से अपने मालिक का उनके घर के बाहर ही इंतजार कर रहा है। इस मासूम को नहीं पता कि उसके मालिक देश छोड़कर जा चुके हैं। अब स्थानीय लोग उसका ख्याल रख रहे हैं और कोशिश कर रहे हैं कि उसे कोई नया घर मिल जाए। चीन के शियान शहर में एक रेजिडेंशियल कॉम्पेक्स में साउथ कोरिया के शख्स रहते थे। वह 2017 में देश वापस चले गए और पीछे उनका पालतू कुत्ता हीझी रह गया। इस घर के पड़ोस में रहने वाली वान्ग हुइली ने लोगों से इस कुत्ते की मदद की अपील की क्योंकि अधिकारी इसे आवारा समझकर ले जाने की कोशिश कर रहे हैं। कुछ स्थानीय लोग भी कुत्ते की शिकायत कर रहे हैं।

वान्ग बताती हैं कि कुछ लोग हीझी का ख्याल रखते हैं, उसे मीट और खाना देते हैं। यहां तक कि उसके जरिए सब आपस में एक–दूसरे से बात करते हैं। एक स्थानीय बच्ची ने वीडियो न्यूज प्लैटफॉर्म पियर को बताया कि कुत्ता बहुत वफादार है और तीन साल से अपने मालिक का इंतजार कर रहा है, जो इसे छोड़कर जा चुके हैं। अपने मालिक के लिए वफादार कुत्ता हीझी कभी कहीं और गया भी नहीं। लोगों ने बांस से एक छोटा टेंट बना दिया है, जिसमें वह रहता है। वान्ग ने बताया हीझी कभी बाकी कुत्तों से झगड़ा भी नहीं करता है। पिछले साल इन लोगों ने 5000 युआन भी जमा किए ताकि उसका इलाज कराया जा सके। उसे लाइसेंस दिलाने की कोशिश की जा रही है ताकि इसे दूसरा घर और नया मालिक मिल सके। तब तक यहां सभी लोग मिल–जुलकर उसका ख्याल रख रहे हैं।

पाक में कोविड–19के केस 13,909 हुए, उद्योग–धंधों के लिये 50 अरब की राशि जारी

इस्लामाबाद । पाकिस्तान में घातक कोरोना वायरस (कोविड–19) के कुल मामलों की संख्या सोमवार को बढ़कर 13,909 पर पहुंच गई और इसके साथ ही महामारी से प्रभावित लघु और मध्यम उद्योगों की सहायता के लिए सरकार ने 50 अरब रुपये से अधिक राशि आवंटित की। आर्थिक समन्वय समिति (ईसीसी) ने अपनी बैठक में सहायता राशि को मंजूरी दी जिसके तहत तीन महीने तक लघु व्यापारियों के बिजली का बिल सरकार चुकाएगी। वित्त मंत्रालय ने एक वक्तव्य में कहा, प्रधानमंत्री के वित्त एवं राजस्व सलाहकार डॉ. अब्दुल हफीज शेख की अध्यक्षता में हुई ईसीसी की बैठक में 50.69 अरब रुपये के पैकेज को मंजूरी दी गई। इससे लघु एवं मध्यम आकार के उद्योगों को प्री–पेड बिजली देकर उनकी सहायता की जा सकेगी।

योजना के अंतर्गत तीन महीने तक वाणिज्यिक उपभोक्ताओं को एक लाख रुपये और औद्योगिक उपभोक्ताओं को साढ़े चार लाख रुपये तक की सहायता दी जाएगी। ईसीसी की बैठक में कोरोना वायरस से उपजे हालात के चलते रोजगार खो चुके दिहाड़ी मजदूरों को राहत देने के 75 अरब रुपये की सहायता की भी घोषणा की गई। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) के अध्यक्ष लेफ्टिनेंट जनरल मोहम्मद अफजल ने कहा कि देश में प्रतिदिन 30 हजार व्यक्तियों की कोरोना वायरस जांच करने की क्षमता है जिसे बढ़ाकर 40 हजार किया जा सकता है।

उन्होंने बताया कि चीन से खरीदे गए पांच करोड़ डॉलर के चिकित्सा उपकरण देश में पहुंच चुके हैं। अफजल ने कहा कि पाकिस्तान विदेश से कोई व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण (पीपीई) आयात नहीं कर रहा है क्योंकि सब कुछ देश में ही निर्मित हो रहा है। इस बीच राष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवा मंत्रालय ने कहा कि कोरोना वायरस से तीन हजार से अधिक लोग ठीक हो चुके हैं। मंत्रालय ने कहा कि पिछले 24 घंटे में कोविड–19 से 12 लोगों की मौत हुई जिसके बाद इस बीमारी से मरने वाले कुल व्यक्तियों की संख्या बढ़कर 281 हो चुकी है। मंत्रालय के अनुसार पंजाब में 5,526, सिंध में 4,996, खैबर पख्तूनख्वा में 1,984, बलोचिस्तान में 781, गिलगित बल्तिस्तान में 318, इस्लामाबाद में 245, और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में कोरोना वायरस के 59 मामले सामने आ चुके हैं।

कोरोना पॉजिटिव निकला दर्जनों लोगों को नमाज पढ़वाने वाला मौलवी

ढाका । बांग्लादेश में दर्जनों लोगों को नमाज पढ़वाने वाला मौलवी कोरोना पॉजिटिव पाया गया है। बांग्लादेश के उस मौलवी ने रमजान के मौके पर एक स्थानीय मस्जिद में दर्जनों लोगों को नमाज पढ़वाई थी। यह मामला दक्षिणपश्चिम बांग्लादेश का है। बांग्लादेश के मागुरा जिले के अदादंगा गांव की मस्जिद में मौलवी ने नमाज पढ़वाई थी। इसके एक दिन बाद उसे कोरोना के संक्रमण में पॉजिटिव पाया गया था। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक प्रशासन अब उन 20–25 लोगों की सूची बना रहा है, जो इस प्रार्थना सभा में शामिल हुए थे।

अब उनलोगों की भी कोरोना संक्रमण की जांच कराई जाएगी। बांग्लादेश के शलिखा सब डिस्ट्रिक्ट के चीफ एग्जीक्यूटिव ऑ. फिसर तनवीर रहमान ने बताया है कि मौलवी बागरपरा पश्चिम गांव के रहने वाले हैं। उसके गांव से मस्जिद की दूरी करीब आधे किलोमीटर की है। बताया जा रहा है कि कोरोना पॉजि. टिव पाए जाने के बाद मौलवी को लॉकडाउन में रखा गया है।

बांग्लादेश में कोरोना वायरस के संक्रमण के 5,416 मामले सामने आ चुके हैं। रविवार तक बांग्लादेश में कोरोना की चपेट में आकर 145 मौतें दर्ज की गई हैं। कोरोना वायरस के संक्रमण को रोकने के लिए बांग्लादेश ने 6 अप्रैल से मस्जिदों में नमाज पढ़ने पर रोक लगाई हुई है।

धार्मिक मामलों के मंत्रालय ने इस बारे में इमरजेंसी नोटिस जारी की है। बांग्लादेश ने कोरोना वायरस के संक्रमण को फैलने से रोकने के लिए शटडाउन की अवधि 5 मई तक के लिए बढ़ा दी है।

कोरोना वायरस का संक्रमण पहुंचा 30000 के पार, 977 मौतें

नई दिल्ली । देश में कोरोनावायरस संक्रमित मरीजों की संख्या बढ़कर 30,631 पहुंच गई है। बीते 24 घंटों के दौरान 1371 नए मरीज इस सूची में जुड़ गए। हालाँकि महाराष्ट्र के आकड़ें रात दस बजे तक अपडेट नहीं होते थे। खतरनाक वायरस के चलते देश में अब तक 977 लोगों की मौत हो गई है। हालांकि 7,613 लोग ठीक होने में कामयाब रहे हैं। इस प्रकार देश में लगभग 25: मरीज ठीक हो चुके हैं। किंतु 22041 लोगों को इलाज के लिए भर्ती किया गया है।

कोरोना वायरस का सर्वाधिक प्रकोप महाराष्ट्र में है। यहां पर 8590 मामले अब तक सामने आ चुके हैं, जिसमें से 369 लोगों की मौत हो गई है और 1282 मरीज ठीक होने में कामयाब रहे हैं। महाराष्ट्र में सोमवार को 522 नए मरीज मिले थे। गुजरात में मंगलवार को 226 नए मरीज मिलने के साथ संक्रमित लोगों की संख्या 3774 पहुंच गई है। यहां पर 434 लोग ठीक होने में कामयाब हुए हैं लेकिन 181 लोगों की मौत हो गई है। दिल्ली में भी संख्या तीन हजार के पार पहुंचकर 3314 हो गई है। यहाँ पर 1078 मरीज ठीक हो चुके हैं। राजस्थान, मध्यप्रदेश, तमिलनाडु और उत्तरप्रदेश ऐसे राज्य हैं जहां कोरोनावायरस से संक्रमित लोगों की संख्या 2000 अथवा उससे अधिक है। इस प्रकार महाराष्ट्र, गुजरात, दिल्ली, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश, तमिलनाडु, आंध्रप्रदेश और तेलंगाना में कोरोनावायरस से संक्रमित लोगों की संख्या 26,808 है जोकि भारत में सोमवार रात 10 बजे तक मिले संक्रमित लोगों की संख्या का लगभग 88 प्रतिशत है। इससे अब यह प्रतीत हो रहा है कि इन राज्यों को छोड़कर बाकी प्रदेशों में कोरोना उतनी तेजी से नहीं फैल रहा है। हालांकि बिहार, पश्चिम बंगाल, जम्मू कश्मीर जैसे राज्य अथवा केंद्र शासित प्रदेशों में संक्रमण फैलने की दर थोड़ी अधिक है। लेकिन यहां स्थिति इतनी विस्फोटक नहीं है। जिस तेजी से गुजरात और उत्तरप्रदेश में संक्रमण बढ़ा है वह इन राज्यों के लिए चुनौतीपूर्ण हो सकता है।

अच्छी खबर यह है कि संक्रमण मुक्त होने वाले राज्यों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। वहीं बहुत से राज्य ऐसे हैं जिनमें संक्रमण के मामले लगभग स्थिर हो गए हैं, अथवा इकाई में ही हैं। इसे देखकर अब यह लग रहा है कि आने वाले दिनों में देश में ग्रीन जोन की संख्या बढ़ जाएगी। किंतु चिंताजनक बात यह है कि जिन राज्यों में कोरोना का संक्रमण बहुत अधिक फैला हुआ है, वहां पर देश की अधिकांश व्यवसायिक गतिविधियां संचालित होती हैं। अनेक विशाल उत्पादक इकाइयां भी इन्हीं राज्य में हैं। ऐसी स्थिति में इन राज्यों में सामान्य स्थिति बहाल होने तक देश की मुख्य व्यवसायिक गतिविधियों को संचालित करना आसान नहीं होगा। जिसके दूरगामी परिणाम हो सकते हैं।

फेसबुक पर दिल्ली अल्पसंख्यक आयोग ने लिखा, जमातियों के साथ कैदियों जैसा सुलूक हो रहा

नई दिल्ली। दिल्ली अल्पसंख्यक आयोग के चेयरमैन डॉ.जफरुल इस्लाम खान ने क्वारनटीन सेंटर में तबलीगी जमात के लोगों के साथ हो रहे गलत व्यवहार को लेकर दिल्ली सरकार को पत्र लिखा है, जिस पर कार्रवाई न होती देख उन्होंने इसे फेसबुक पर भी पोस्ट किया है। जफरुल इस्लाम खान ने अपने पत्र में केंद्र और दिल्ली सरकार पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा है कि तबलीगी जमात के लोगों को क्वारनटीन की अवधि को पूरा करने के बाद छोड़ा नहीं जा रहा है और उनके साथ छुआ–छूत हो रही है और उन्हें कैदियों की तरह रखा जा रहा है। जफरुल इस्लाम खान ने कहा कि एक तरफ सरकार कोरोना वायरस ठीक हुए जमातियों का प्लाज्मा इस्तेमाल कर रही है, वहीं दूसरी ओर उन्हें कैदियों से भी बदतर हालात में रखा जा रहा है। उनके साथ छुआ–छूत का व्यहवार किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि तबलीगी जमात के लोगों को ना तो समय पर दवाई मिल रही है और ना खाना। ना ही डॉक्टर उनके इलाज के लिए आते हैं। ऐसे में अगर कोई बाहर का व्यक्ति जमातियों को ज़रूरी सामान देना चाहता है या मदद करना चाहता है तो उसकी भी इजाजत नहीं है।दिल्ली अल्पसंख्यक आयोग के चेयरमैन का आरोप है कि हजारों तबलीगी जमातियों को बंदी बना लिया है।

नंदनगरी में 2 हजार लोगों को फ्लैट के अंदर खतरनाक अपराधियों की तरह रखा जा रहा है। उन्होंने कहा कि विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुताबिक कोरोना संक्रमण के संपर्क में आने वाले के लिए 14 दिन का क्वारनटीन पीरियड होता है, लेकिन जमातियों को 48 दिन से भी ज्यादा हो गए हैं। इसके बावजूद जमात के लोगों को छोड़ा नहीं जा रहा है। उन्होंने सवाल खड़े किए हैं कि इन्हें क्यों रखा जा रहा है और क्यों नहीं छोड़ा जा रहा है इसका किसी के पास कोई जवाब नहीं है। जफरूल इस्लाम खान का कहना है कि दिल्ली अल्पसंख्यक आयोग ने इससे पहले कई इलाके के एसडीएम को क्वारनटीन में रखे गए तबलीगी जमात के लोगों की बुरी हालात से आगाह किया था। लेकिन आयोग के नोटिसों का कोई असर नहीं हुआ। आयोग के कहने के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं की तो उन्होंने फेसबुक पर लिखना शुरू किया गया है।

दिल्ली अल्पसंख्यक आयोग के चेयरेमैन डॉ। जफरुल इस्लाम खान ने इससे पहले दिल्ली सरकार के स्वास्थ्य विभाग के सचिव को एक पत्र लिख कर कोरोना बुलेटिन के तरीके पर आपत्ति जतायी थी। जफरुल इस्लाम खान ने कहा था कि रोजाना के बुलेटिन में निजामुद्दीन मरकज का जिक्र न किया जाए, क्योंकि ऐसा करने से 'इस्लामोफोबिया के एजेंडे को बढ़ावा मिलता है। इसके बाद से दिल्ली में सरकार द्वारा जारी किए जाने वाले कोरोना बुलेटिन में तबलीगी जमात से जुड़े मामलों का अलग से जिक्र नहीं किया गया।

पाक के सिंध प्रांत में 51 सुरक्षाकर्मी कोरोना संक्रमण के शिकार

कराची । घातक कोरोना वायरस से जूझ रहे पाकिस्तान के सिंध सूबे में इसका कहर जारी है यहां पुलिसकर्मी भी कोरोना वायरस का शिकार हो रहे हैं। प्रांत में 6 इंस्पेक्टर समेत 50 से ज्यादा पुलिसकर्मी कोरोना वायरस से संक्रमित हुए हैं। खबरों के मुताबिक एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने नाम जाहिर न करने की शर्त पर बताया कि उनमें से एक इंस्पेक्टर इस वायरस से ठीक हो गया है और उन्हें अस्पताल से घर भेज दिया गया है। वहीं अन्य को शहर काएद के अलग–अलग अस्पतालों में आइसोलेशन वार्ड में रखा गया है। कराची के इलाके काएदाबाद में गवर्नमेंट डिग्री कॉलेज में एहसास प्रोग्राम की राहत राशि वितरित करने के सिलसिले में फर्ज अंजाम देने वाले सब–इंस्पेक्टर और हैड कॉन्सटेबल समेत दो पुलिसकर्मियों के टेस्ट पॉजिटिव आए। पुलिस अधिकारी ने आगे कहा कि अब तक सूबे के अन्य प्रमुख शहरों में किसी भी पुलिसकर्मी में वायरस की पुष्टि नहीं हुई है। वहीं इस मामले पर कराची के एडिशनल इंस्पेक्टर जनरल गुलाम नबी मेमन ने कहा कि अधिकांश संक्रमित पुलिसकर्मी कोरोना के लिहाज से खत. रनाक क्षेत्रों में ड्यूटी पर तैनात नहीं थे। इनमें से एक इन्वेस्टीगेशन ब्रांच में तैनात था। उन्होंने आगे बताया कि कुछ संक्रमित पुलिस कांस्टेबल सिंध पुलिस सहायक 15 सर्विस में काम करते हैं, जबकि कुछ पुलिसकर्मी वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के गनमैन और ड्राइवर हैं। पुलिस सूत्रों के मुताबिक गुलाम नबी मेमन ने बैठक में उपस्थित अधिकारियों से कहा कि स्काउट सभागार में शहर के 540 पुलिस अधिकारियों की जांच की गई। इसके बाद अगले चरण में जिला पुलिस और कराची पुलिस कार्यालय के अधिकारियों का टेस्ट किया जाएगा।

कोविड–19 के सभी रोगी ठीक हुए, बंद होगा चीन का विशेष अस्पताल

बीजिंग चीन की राजधानी बीजिंग में अधिकारी कोविड–19 विशेष अस्पताल में भर्ती सभी मरीजों के स्वस्थ होने के बाद इसे बंद करने की तैयारी में हैं। वहीं चीन में कोरोना वायरस संक्रमण के छह नये मामले सामने आए हैं। स्वास्थ्य अधिकारियों ने 40 ऐसे मामलों की भी मंगलवार को जानकारी दी जो संक्रमित हैं लेकिन उनमें लक्षण नहीं हैं। अस्पताल को बंद करने का यह कदम तब उठाया गया है जब चीन में कोरोना वायरस के केंद्र वुहान ने हाल में 16 अस्थायी अस्पतालों को बंद किया और अपने अंतिम मरीज को रविवार को छुट्टी दी। आधिकारिक मीडिया ने खबर दी कि बीजिंग के शियाओतांगशन हॉस्पिटल ने कोविड–19 के सभी मरीजों के स्वस्थ होने के बाद उन्हें मंगलवार को छुट्टी दे दी और बुधवार से इसका संचालन बंद कर दिया जाएगा।

शहर के उत्तरी उपनगर में स्थित इस अस्थायी अस्पताल की मरम्मत कर कोविड–19 मरीजों, संदिग्ध मरीजों और अन्य की जांच एवं इलाज के लिए 16 मार्च से इसका संचालन शुरू किया गया था। इसका निर्माण 2003 में सार्स (सीवियर एक्यूटर रेस्पिरेटरी सिंड्रोम) के मरीजों के इलाज के लिए किया गया था। उस वक्त, इसका निर्माण एक हफ्ते के भीतर कर लिया गया था। बीजिंग में कुल मिलाकर कोरोना वायरस के 593 मामले हैं और नौ लोगों की मौत हुई है। अधिकारियों के मुताबिक 536 मरीज इलाज के बाद स्वस्थ हुए। इस बीच, देश के राष्ट्रीय स्वास्थ्य आयोग ने मंगलवार को कहा कि सोमवार को छह नये मामलों की पुष्टि हुई जिनमें से तीन विदेश से संक्रमित होकर आए लोग हैं। आयोग ने अपनी नियमित रिपोर्ट में बताया कि अन्य तीन मामले हीलोंगजियांग प्रांत में घरेलू स्तर पर फैले संक्रमण के हैं। कोरोना वायरस से चीन में कुल 4,633 लोगों की मौत हुई है। सोमवार तक, चीन में संक्रमितों की कुल संख्या 82,836 थी जिनमें से 648 लोगों का अब भी इलाज चल रहा है जबकि 77,555 लोगों को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है।

ईरान में अंधविश्वास के चलते कोरोना वायरस से बचने पी लिया मेथेनॉल, 728 लोगों की जान गई

तेहरान । वैश्विक महामारी कोरोना वायरस ने पूरी दुनिया में कोहराम मचा रखा है। ईरान में इस महामारी से बचने के लिए अंधविश्वास में आकर नीट अल्कोहल पीने से मौतों का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। ताजा घटना में जहरीले मेथेनॉल को पीने से 728 लोगों की मौत हो गई है। बताया जा रहा है कि 200 लोगों की अस्पताल के बाहर मौत हो गई। इससे पहले भी इसी महीने जहरीली शराब पीने से ईरान में 600 लोगों की मौत हो गई थी। ईरानी स्वास्थ्य मंत्रालय में सलाहकार हुसैन हसनैन ने कहा कि इन लोगों ने कोरोना वायरस से बचने के लिए अंधविश्वास में आकर यह मेथेनॉल पी लिया। ईरान पिछले साल से अल्कोहल पीने की घटनाएं 10 गुना बढ़ गई हैं। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक 20 फरवरी से 7 अप्रैल के बीच ईरान में 728 लोगों की मौत हो गई। पिछले साल केवल 66 लोग अल्कोहल पीने से मारे गए थे।

हसनैन ने कहा कि ईरान में जहरीली शराब पीने से 90 लोगों की आंखें खराब हो गई हैं। उन्होंने कहा कि आंखें खराब होने वालों का अंतिम आंकड़ा बहुत ज्यादा हो सकता है। पूरे पश्चिम एशिया में ईरान में कोरोना वायरस से सबसे ज्यादा लोग प्रभावित हैं। देश में अब 91 हजार लोग कोरोना वायरस से पॉजिटिव पाए गए हैं और 5806 लोग मारे गए हैं। ईरान सरकार के न्यायिक प्रवक्ता गुलाम हुसैन एस्मेली ने बताया कि शराब का सेवन कोरोना वायरस का इलाज नहीं है। यह मानव शरीर के बहुत ही घातक है। ईरान के कई राजनेताओं ने इसके लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। सरकारी न्यूज एसेंजी के अनुसार, इस मामले में कई लोगों को गिरफ्तार किया गया है। वहीं एक सरकारी प्रवक्ता ने कहा कि ऐसे हालात से ईरानी सरकार कड़ाई से निपटेगी।

कोरोना वायरस (COVID 19) महामारी के प्रकोप के मद्देनजर,

नई दिल्ली नगर पालिका परिषद (छक्डब) ने नई दिल्ली के मोती बाग स्थित चरक पालिका अस्पताल (CPH) में चौबीसों घण्टे चलने वाले विशेष फ्लू कार्नर की जो शुरुआत की थी, उसमें एक पखवाड़े के अंतर्गत अब तक 355 ऐसे रोगियों की जाँच की गयी। (फोटो–

अब नहीं होगी व्हाट्सएप ग्रुप एडमिन की गिरफ्तारी, सुको ने 66–ए को अप्रभावी किया

नई दिल्ली । सुप्रीम कोर्ट ने सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, 2000 की धारा 66–ए को अप्रभावी कर दिया है। इस निर्णय से अब व्हाट्सएप ग्रुप एडमिन की गिरफ्तारी नहीं होगी। धारा 66–ए ऐसा नियम है जो पुलिस को सोशल नेटवर्किंग साइटों पर कथित रूप से 'आपत्तिजनक सामग्री' पोस्ट करने पर एक व्यक्ति को गिरफ्तार करने का अधिकार देता है। जनहित याचिका की सुनवाई करते हुए जस्टिस जे चेलमेश्वर और आएएफ नरीमन की खंडपीठ ने इस धारा को मौलिक अधिकारों का उल्लंघन करने वाला बताया है। साथ ही इस धारा को अभिव्यक्ति की आजादी का अधिकार छिनने वाला बताया इसलिए इस धारा को गैरकानूनी बताते हुए इस अप्रभावी कर दिया।

जस्टिस जे चेलमेश्वर और जस्टिस फली नरीमन की शीर्ष अदालत की पीठ ने कहा, ''आईटी अधिनियम की धारा 66–ए पूरी तरह से समाप्त हो गई है। हमारा संविधान विचार, अभिव्यक्ति और विश्वास की स्वतंत्रता प्रदान करता है। लोकतंत्र में, इन मूल्यों को संवैधानिक योजना के तहत प्रदान किया जाना है।'' हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने आईटी अधिनियम के दो अन्य प्रावधानों को रद्द करने से इनकार कर दिया, जो वेबसाइटों को अवरुद्ध करते हैं।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पालघर में संतों का संहार: एक गहरी

हिन्दू समाज के विध्वंस हेतु एक जूट हुयी नाकारात्मक ताकतें

महाराष्ट्र के पालघर में गत 16 अप्रैल की रात दो साधू महाराज कल्पवृक्षगिरि महाराज (70), सुशीलगिरि महाराज (35) अपने ड्राइवर निलेश तेलगड़े के साथ एक परिचित के अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए मुंबई से सूरत जा रहे थे। गुजरात सीमा के पास पालघर जिला स्थित दहानु तालुका के एक आदिवासी बाहुल्य गडचिंचले गांव में उनकी कार को रोक लिया गया। फिर उग्र भीड़ ने उन सभी की पुलिस के सामने पीट–पीटकर हत्या कर दी। महाराष्ट्र पुलिस खड़ी होकर सामुहिक नरसंहार को देखती रही। यह पूरी घटना जिस तरह से घटी, उसमें महाराष्ट्र की शिवसेना की सरकार तथा स्थानीय पुलिसकर्मियों के ऊपर भी कई गंभीर सवाल पैदा हो गए क्योंकि घटना के समय पुलिसकर्मी मौके पर ही थे, पर उन्होंने दोनों साधुओं को बचाने की जगह, उन्हें उग्र भीड़ को सौंप दिया। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने जहां इस सामुहिक नरसंहार को ग़लतफ़हमी में हुई लिंचिंग की घटना बताया, वही राज्य के मुख्यमंत्री अनिल देखमुख ने भी घटना को लेकर भाजपा एवं अन्य दलों पर राजनीति करने का आरोप लगाकर अपना पल्ला झाड़ लिया। अनिल देशमुख ने घटना के आरोपियों को गिरफ्तार करने का दावा करते हुए कहा कि इस मामले में मुस्लिम संप्रदाय का कोई भी व्यक्ति शामिल नहीं था। प्रश्न यह है कि उन्हें सफाई में मुसलमान नहीं है, यह क्यों कहना पड़ा?

जूना अखाड़े से जुड़े दोनों साधुओं की निर्मम हत्या से कई सवाल पैदा हुए हैं, जिनमें मुख्य प्रश्न यह है कि साधुओं की बर्बर हत्या का जिम्मेदार कौन? यह प्रश्न इसलिए भी गंभीर है क्योंकि संतों की हत्या जिस क्षेत्र में हुई, वह पूरा क्षेत्र ईसाई मिशनरियों का एक बड़ा केंद्र होने के साथ ही वामपंथी दलों के प्रभाव वाला क्षेत्र है। संतों की हत्या के जो वीडियो सामने आए, उसमें स्थानीय वामपंथी नेताओं को भी मौके पर देखा गया। वर्षों से स्थानीय आदिवासियों को छद्म रूप में सेवा एवं धन के लालच को हथियार बनाकर धर्म परिवर्तन कराने की साजिशें लगातार चल रही हैं। यहां पर ईसाई मिशनरियों, वामपंथियों एवं कट्टरपंथी–जेहादी मुस्लिमों के गठजोड़ को भी बडे बारीकी से समझने की आवश्यकता है। साथ ही यह ज्ञात करना भी आवश्यक है कि ईसाई मिशनरियों, वामपंथियों एवं कट्टरपंथी–जेहादी मुस्लिमों का यह अघोषित गठबंधन किस प्रकार से हिन्दू धर्मावलम्बियों को निशाना बनाकर हिन्दू समाज को तोड़ने का खेल खेलता आ रहा है। इनकी जड़ें बहुत गहरी तो है ही, साथ ही हिन्दू समाज को तोड़ने के कुचक्र का षड़यंत्र भी लगभग दो शताब्दि से लगातार सुनियोजित रूप से चलता आ रहा है।

हिन्दू समाज निशाने पर कैसे एवं कब से

भारत में विदेशी आक्रांता मुस्लिम आक्रमणकारियों ने जब हिन्दुस्तान को बलपूर्वक अपने कब्ज़े में करके सत्ता को हथियाया तो उनके निशाने पर हिन्दू समाज ही रहा। हिन्दुओं को भय और बलपूर्वक इस तरह से दबाव बनाया गया कि वे हिन्दू धर्म को छोड़कर इस्लाम को अपनाने के लिए बाध्य हो गए। लगभग छह सौ साल तक जारी इस प्रक्रिया के दौरान जिन हिन्दुओं ने धर्म परिवर्तन नहीं किया, उन्हें अस्वच्छ कार्यों को करने के लिए बाध्य किया गया। तत्कालीन हिन्दुस्तान में मैला ढ़ोने एवं चर्म कर्म का विदेशी आक्रांताओं के आने से पहले का एक भी उदाहरण नहीं मिलता है। हिन्दुओं की एक बड़ी आबादी को बलपूर्वक दमन एवं दलन के उपरांत अस्वच्छ कार्य करने के लिए मजबूर करके उन्हें दलित बना दिया गया। इस प्रकार भारत में दलित समाज की उत्पत्ति हुई, जिसका भी चालाकी से दोष हिन्दू समाज पर ही मढ़ दिया गया। लगभग छह सदी तक हिन्दू धर्मावलम्बियों को बलपूर्वक दलित बनाने का क्रम चलता रहा। इसके उपरांत विदेशी आक्रांताओं के प्रयास और अपनों के घृणा के कारण वे बिलग होकर दलित वर्ग के रूप में चिन्हित हुए।

16वी सदी में ईस्ट इंडिया कंपनी भारत आयी और व्यापार करने के साथ ही भारत की भूमि पर अपना कब्ज़ा जमाना शुरू किया। इसके उपरांत भी यह वह समय भी था, जब भारत मध्ययुगीन विश्व की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में पूरे विश्व में देखा जाता था। ईस्ट इंडिया कंपनी भी भारत की आर्थिक स्थित को देखकर यहां पहुंची थी। आर्थिक इतिहासकार अंगस मैडीसन की पुस्तक 'द वर्ल्ड इकॉनमी: ए मिलेनियल पर्स्पेक्टिव (विश्व अर्थव्यवस्था: एक हज़ार वर्ष का परिप्रेक्ष्य)' के अनुसार 17वीं सदी तक भारत विश्व का सबसे धनी देश और दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यस्था था। इसलिए भारत की आर्थिक स्थिति को पूरा लाभ उठाने के लिए ईस्ट इंडिया कंपनी ने व्यापार के साथ ही भारत की सत्ता पर भी कब्ज़ा करना प्रारंभ किया।

तत्कालीन समय में ईस्ट इंडिया कंपनी के अधिकारियों ने हिन्दू समाज के उस विराट स्वरुप को भी भलीभांति देखा और महसूस किया, जिस विराट स्वरूप के कारण हिन्दू जनता मुस्लिक शासकों की गुलामी करने के उपरांत भी अपने धर्म, आस्था और विश्वास पर अडिग और संगठित थी। हिन्दू समाज अपनी आस्था, विश्वास, रीतिरिवाज, परंपरा, यम–नियम, धर्माधिकार, मानवाधिकार और एक विशिष्ट जीवन पद्धति के लिए जाना जाता था। किन्तु भारत की संवृद्धि पूर्वकाल में सबसे पहले विदेशी मुस्लिम आक्रांताओं और बाद में अंग्रेजों के दुराग्रहों की भेंट चढ़ी।

अंग्रेजों ने शुरू किया साजिशों का खेल

लगभग एक सदी तक भारत में रहने और भारत की जनता के मनोविज्ञान को समझने के उपरांत ब्रिटिश सरकार की सत्ता स्थापित करने हेतु यहाँ के सामाजिक ताने–बाने में विदेशी आक्रांताओं के कूशासन के कारण व्याप्त कमियों का लाभ उठाते हुए ब्रिटिश अधिकारियों ने कुछ चालें चलीं। उस समय ब्रिटिश संसद ने एक निर्णय लिया कि भारत में हिन्दुओं के हित के लिए उनके धर्म ग्रंथों का प्रकाशन किया जाय। वे भारत की हिन्दू जनता को अपने चंगुल में फंसाकर उन्हें उच्च–निम्न जातियों में बांटकर अपनी सत्ता स्थापित करना चाहते थे। और इसी लिए सबसे पहला निशाना मनुस्मृति को बनाया गया। 1794 में सर विलियम जोन्स नामक एक अंग्रेज ने मनुस्मृति का अंग्रेजी भाषा में अपने ढंग से अनुवाद किया था और बाद में उसी के आधार पर ब्रिटिश औपनिवेशिक सरकार ने भारत में हिन्दू जनता के लिए कानून बनाये। धर्म ग्रंथों के प्रकाशन के निर्णय के बाद सर्वप्रथम रामायण, रामचरित मानस, श्रीमद्भागवत, या भागवत गीता को न छापकर मनुस्मृति को छापने का निर्णय लिया। 1828 में अंग्रेजों ने मनुस्मृति में प्रक्षिप्तता करके उसके संपादन एवं प्रकाशन का कार्य भी किया। मनुस्मृति में विवादित तथ्यों को जोड़कर अंग्रेजों ने उसका उपयोग अपने हितों को साधने और हिन्दू धर्म को बांटने के लिए किया। उसके उपरांत अंग्रेजों ने भारत की प्रचीन शिक्षा पद्धति को निशाना बनाया, जो शिक्षा पद्धति हिन्दू धर्म की नींव थी और नगरों से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों पाठशालाओं के माध्यम से सबको शिक्षित करने का कार्य कर रहे थे। अंग्रेजों का उद्देश्य था कि गुरुकुल और पाठशालाओं की शिक्षा प्रणाली को यदि नष्ट कर दिया जायेगा तो हिन्दू समाज को तोड़ने में सरलता होगी।

भारत की संस्कृत आधारित शिक्षा व्यवस्था को तहस–नहस करते हुए 1834 में लार्ड टॉमस बैबिंग्टन मैकॉले ने जिस नयी शिक्षा प्रणाली को प्रारम्भ करने की घोषणा की, वह शिक्षा प्रणाली पूरी तरह से अंग्रेजी हितों को साधने की दृष्टि से तो थी ही, साथ ही उस प्रणाली ने भारत की उस प्राचीन एवं गुणवत्तायुक्त शिक्षा प्रणाली को नष्ट करने का काम भी किया, जो भारत की जड़ों को मजबूत करने का काम कर रही थी। नयी शिक्षा प्रणाली के आधार पर प्रारंभ हुई शिक्षा ने देखते–देखते ही जहां नब्बे प्रतिशत भारतीयों को शिक्षा से दूर करने का काम किया, वही भारत के अंदर जानबूझकर एक ऐसे आभिजात्य वर्ग को उत्पन्न किया, जिसने भेदभाव और सामाजिक असमानता को बढ़ाने में अपनी भूमिका निभाई।

भारत के जंगलों एवं दुर्गम स्थानों पर भारी विरोध के कारण जब अंग्रेज शासन नहीं कर पाये तो सेवा के बहाने ईसाई मिशनरियां वहां घुसकर धर्मांतरण का नंगा नाच प्रारंभ किये। ईसाई मिशनरियों को उन मुस्लिम शासकों का भी सहयोग मिला, जो भारत में हिन्दुओं को डरा–धमकाकर धर्मपरिवर्तन के लिए बाध्य करते आ रहे थे। इसी मध्य सुनियोजित तरीके से अंग्रेजों ने अपनी सेना एवं प्रशासन में उन हिन्दुओं को शामिल करना प्रारम्भ कर दिये थे, जिन्होंने मुस्लिम आक्रांताओं के दबाव में अस्वच्छ कार्य स्वीकार कर लिया, किन्तु धर्म परिवर्तन को ठुकरा दिया। एक तरह से तथाकथित दलितों के समक्ष घड़ियाल आशू बहाने का काम किये थे। 1857 के विद्रोह के बाद अंग्रेजों ने अस्वच्छ तथा निम्न कर्म करने वाली जातियों को जिन्हें अंग्रेजों ने 1931में डिप्रेस्ड क्लास और डॉ भीम राव आंबेडकर ने दलित का नाम दिया था, को हिन्दू धर्म से पूरी तरह अलग करने के लिए जिस तरह से कदम उठाया, उसका खुलासा बाद में डॉ आंबेडकर ने भी किया। 1857 की क्रांति के बाद ईसाई मिशनरियां और तेजी से सक्रिय हुई और सुनियोजित ढंग से भारत में जाति आधारित विघटन की दिशा में एकजुट होकर काम करने लगी।

1891 में डॉ आंबेडकर के जन्म से भी लगभग बीस वर्ष पहले प्रोफ़ेसर एम ए शेरींग ने 'हिन्दू ट्राइब्स एंड कास्ट' के नाम से एक पुस्तक लिखी थी, उस पुस्तक में दलितों को हिन्दू धर्म के प्रति भड़काने के साथ ही ईसाई धर्म अपनाने का आह्वान किया गया था। 1872 में लिखी गयी इस पुस्तक को पढ़ने से स्पष्ट होता है कि भारत में अंग्रेजों और उनकी सहयोगी ईसाई मिशनरियों ने जिस तरह से जाति प्रथा का कुप्रचार किया, उसका परिणाम हिन्दू धर्म में हुई विघटन की प्रक्रिया के रूप में सामने आया। इनके निशाने पर दलित जातियां तो थी ही, विशेषकर हिन्दू धर्म का वह बड़ा वर्ग था, जो तथाकथित चर्मकार जाति से थी।

यहाँ ध्यान देने योग्य बिंदु यह भी है कि डॉ आंबेडकर के पिता और दादा जब शिक्षित थे तो फिर डॉ आंबेडकर को शिक्षा ग्रहण करने में कठिनाइयां क्यों आयी ? डॉ आंबेडकर का जब जन्म हुआ तो उसके पहले ही अंग्रेजों द्वारा भारत में जातिभेद या जाति विभाजन की प्रक्रिया बहुत तीब्र गति के साथ समाज में पैदा की जा चुकी थी, जिसका प्रतिकार करने का काम ज्योतिबा फुले जैसे समाज सुधारकों द्वारा किया जा रहा था। लेकिन लार्ड मैकाले की नयी शिक्षा प्रणाली ने शिक्षा के सुधार के नाम पर शिक्षा के व्यवसायीकरण को जिस तरह से बढ़ावा दिया गया, उसका परिणाम यह निकला कि 1935 में जहां 90 प्रतिशत तक शिक्षित होने वाले हिन्दू समाज से शिक्षा बहुत दूर होती चली गयी। धर्मपाल जी की पुस्तक 'ब्युटीफूल ट्री' में प्रमाणों के साथ विस्तृत विवरण इस विषय में पढ़ा जा सकता है।

नयी शिक्षा प्रणाली ने हिन्दू समाज को शिक्षा से दूर करने का काम किया और शिक्षा सिर्फ आर्थिक रूप से सशक्त लोगों के बीच ही सिमट कर रह गयी।

अंग्रेजों की नीतियां और ईसाई मिशनरियों के रणनीति के बीच 1920 में प्रोफ़ेसर डब्लू एस विग्रस ने "दी चमार्स" नाम से एक पुस्तक लिखी और पुस्तक के माध्यम से चर्मकार जाति को ईसाई धर्म अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। यहां प्रश्न यह भी है कि अंग्रेजों के अनुसार उस वक्त भारत में विदेशी मुस्लिम आक्रांताओं के उत्पीडन, अत्याचार, व्याभिचार, दमन और दलन के कारण मटर के दाने की तरह बनकर बिखरी हुई लगभग 6500 जातियां एवं पचास हजार से अधिक उपजातियां थी तो केवल चर्मकार जाति पर ही पुस्तक क्यों लिखी गयी थी ? इस पुस्तक का अध्ययन डॉ आंबेडकर ने भी किया था, लेकिन उनके मन में कभी भी ईसाई धर्म अपनाने की इच्छा नहीं उत्पन्न हुई।

ईसाई मिशनरियां, मुस्लिम और वामपंथी

भारत में हिन्दू धर्म को तोड़ने की साजिश में ईसाई मिशनरियां, मुस्लिम और वामपंथी तीनों ही एकजुट होकर वर्षों से काम करते आ रहे हैं। अंग्रेजी शासनकाल से लेकर स्वतन्त्र भारत में इतिहास को तोड़–मरोड़कर प्रस्तुत करने में वामपंथियों का सबसे बड़ा हाथ रहा। इतिहास के माध्यम से हिन्दू धर्म पर लगातार प्रश्न खड़े किये गए और हिन्दू धर्मावलम्बियों को मुस्लिम या ईसाई धर्म अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। हिन्दू धर्म में दलित जाति नामक नए वर्ग को भी साजिश के तहत बनाकर उन्हें हिन्दू समाज से अलग–थलग करके योजनाबद्ध तरीके से उन्हें धर्म परिवर्तन करने के लिए उकसाया गया।

ईसाई मिशनरियां, कट्टरपंथी–जेहादी मुस्लिम और वामपंथी शहरी नक्सलीयों द्वारा हिन्दू धर्म को तोड़ने की साजिशों को स्वामी श्रद्धानंद ने बखूबी समझा था और फिर तब उन्होंने शुद्धि आंदोलन शुरू कर दिया था। 1920 के दशक में शुद्धि आन्दोलन का मूल लक्ष्य धर्म परिवर्तन करने वाले हिन्दुओं को वापस हिन्दू धर्म में लाना था। डॉ आंबेडकर ने 1922 में कहा था कि स्वामी श्रद्धानन्द अछूतों के "महानतम और सबसे सच्चे हितैषी" हैं। यह आंदोलन जब अपनी चरम अवस्था में था, तब एक कट्टरपंथी–जेहादी मुस्लिम युवक ने स्वामी श्रद्धानन्द की हत्या कर दी। यह हत्या कांड महात्मा गाँधी के हत्या जैसा ही था। यहां यह उल्लेख करना अनुचित नहीं होगा कि स्वतंत्रता से पहले हिन्दू धर्म को तोड़ने के लिए ईसाई मिशनरियां और मुस्लिम लीग एकजुट होकर काम कर रहे थे तो स्वतंत्रता के बाद वामपंथी भी इसमें शामिल हो गए। भारत में जारी धर्म परिवर्तन की प्रक्रिया का एक अन्य परिणाम उड़ीसा में हिन्दू स्वामी लक्ष्मणानंद सरस्वती और अब पालघर में कल्पवृक्षगिरि एवं सुशीलगिरि महाराज की निर्मम हत्या के रूप में देखा जा सकता है।

धर्मपरिवर्तन गिरोह की रणनीति

यह एक आश्चर्य का विषय है कि मुस्लिम राष्ट्रों में ईसाई धर्म के लोगों को हिकारत की दृष्टि से देखा जाता है और उनको वहां बहुत ही सीमित अधिकार पर ही मुस्लिम देश में रहने का आदेश मिलता है। इसके विपरीत भारत में ईसाई और मुस्लिम, दोनों मिलकर वर्षों से काम करते आ रहे हैं। कुछ ईसाई और मुस्लिम पंथ के मानने वाले भारत एवं हिन्दू विरोधी गतिविधियों में वामपंथीयों को अपना पूरा समर्थन देते आ रहे हैं। भारत की स्वतंत्रता के बाद से ईसाई और मुस्लिम धर्म के प्रचारक भारत के कोने–कोने तक जा पहुंचे है और उनके निशाने पर दलित वर्ग सबसे अधिक है।

दलितों का धर्म परिवर्तन कराने के लिए जय भीम–जय मीम जैसे छद्म नारों का सहारा लिया जा रहा है। साथ ही इस काम में गैर सरकारी संगठन और ऐसे ईसाई भी तेजी से सक्रिय हैं, जिन्होंने अपना धर्म तो बदल लिया पर सार्वजनिक रूप से वह स्वयं को हिन्दू के रूप में प्रदर्शित करते हैं। ऐसे लोगों को क्रिप्टो (छिपे हुए) क्रिस्टियन या क्रिप्टो (छिपे हुए) मुस्लिम का नाम दिया गया है। इन सबकी सहायता हेतु वामपंथी नेता, कार्यकर्ता एवं वामपंथी संगठन भी सक्रिय होकर लगातार काम करते आ रहे हैं। दलितों से लेकर आदिवासियों के मध्य धर्मपरिवर्तन के इस खेल को कही सेवा कार्य के माध्यम से तो कहीं हिन्दू धर्म के प्रति घृणा भाव को पैदा करके और तो कहीं पर हिंदूवादी संगठनों के विरुद्ध दुष्प्रचार के रूप में किया जा रहा है।

मोदी सरकार बनते ही सभी विरोधी हुए एकजुट

2014 में मोदी सरकार बनाने के बाद भाजपा विरोधियों विशेषकर वामपंथियों के निशाने पर हिन्दू धर्म के साथ ही वह सभी हैं, जो हिन्दू धर्म के प्रचार–प्रसार के साथ ही हिन्दू समाज में जागृति पैदा करने का काम वर्षों से करते आ रहे हैं। ईसाई मिशनरियां, कट्टरपंथी–जेहादी मुस्लिम और शहरी नक्सल वामपंथी अब तीनों एकजुट होकर हिन्दू धर्म, हिन्दू समाज और हिन्दू धर्म के महापुरुषों, साधु, संन्तो के प्रति घृणा भाव उत्पन्न करने में तिब्रता से जुटे हुए हैं। भीमकोरे गांव में हिंसा के बाद शहरी क्षेत्र में रहने वाले ऐसे पढ़े–लिखे नक्सली सामने आए हैं, जो किसी भी तरह मोदी सरकार को गिराने से लेकर हिन्दू नेताओं की हत्या ही नहीं अपितु मोदी जी के हत्या की साजिश करने में पीछे नहीं हैं। यह सभी संघठित रूप से अपने प्रभावशाली तंत्र के माध्यम से जनता को भ्रमित करने का काम कर रहे हैं और इसके प्रमाण कई बार सामने भी आ चुके हैं। इन सभी का मकसद भारत को खंड–खंड करके अपने स्वार्थो और हितों को पूरा करना है। कश्मीर से लेकर केरल तक पूरा एक तंत्र इनकी मदद कर रहा है। इनमें राजनेता से लेकर अपराधी गिरोह तक शामिल हैं।

पाल घर में संतों की हत्या का प्रकरण यह खुलासा भी करता है कि आदिवासी क्षेत्र में रहने वाली भोली–भाली जनता के मध्य तथाकथित वामपंथी, ईसाई और मुस्लिम संस्थाए अपने–अपने ढंग से धर्म परिवर्तन करने के लिए काम कर रही हैं और उनकी गतिविधियों का विरोध करने वाले की हत्या कर देना इनके लिए कोई बड़ी बात नहीं है। दलित समाज को भड़काने के लिए डॉ आंबेडकर का सहारा लिया जा रहा है और अनपढ़ लोगों के मध्य डॉ आंबेडकर की ऐसी तस्वीर प्रस्तुत की जा रही है, जिससे वह धर्म परिवर्तन करके हिन्दू धर्म को त्यागने के लिए आगे आ जाए। वामपंथी विचारधारा का शहरी नक्सली आयुष्मान आनंद तलन्तुवडे जो महाराष्ट्र के भीमा कोरेगाँव से लेकर देश–विदेश तक घुमकर लोगों को भ्रमित करने में लगा है, उसे उसी क्षेत्र से गिरफ्तार किया गया। कुछ मूर्ख दलित नेता उसके बारे में कहतें हैं कि वह डॉ भीमराव रामजी अंबेडकर के पोती से विवाह किया है। यदि ऐसा है तो बाबा साहेब के वंशजों को वामपंथीयों के गोद में बैठने के बजाय यह स्मरण कराना चाहिए कि डॉ अंबेडकर वामपंथीयों को घृणा करते थे। वैसे वामपंथी कम्यूनिस्टों की इतनी दयनीय हालत है कि वे अब अपनेआकावों मार्क्स और लेनिन का नहीं बल्कि डॉ अंबेडकर के पोस्टर को लेकर धरना और प्रदर्शन करते दिखाई पडते हैं।

बहरहाल यह घटना प्रेरित करती है कि भारत और हिन्दू धर्म को कट्टरपंथी–जेहादी मानसिकता के मुस्लिम तबलीगी मरकजों, सेवा के बहाने धर्म परिवर्तन कराने वाले क्रिश्चियन मिशनरीयों और गरीब अपढ़ लोगों को बहकाकर सत्ता का सपना देख रहे वामपंथीयों की देश विरोधी प्रवृत्ति को अब रोका जाए। साथ ही भारत की काली–रात्रि वाले उस इतिहास को जनता के सामने रखा जाए जो भारत का वास्तविक इतिहास है। साथ ही हिन्दू धर्म को तोड़ने अथवा धर्म परिवर्तन के जो प्रयास चल रहें हैं, उन्हें रोकने के लिए कठोर कदमों को उठाने के साथ ही सामान्य जनता को भी इसके विरुद्ध खड़ा होने के लिए जागृत किया जाए। यदि ऐसा नहीं हुआ तो यह संकट लगातार बढ़ता रहेगा और इसका नकारात्मक परिणाम हिन्दू धर्म और भारत को भी भुगतना पड़ेगा

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संदिग्ध परिस्थितियों में युवक की मौत, पेड़ की डाल से लटकता मिला शव

श्रावस्ती । जिले में संदिग्ध परिस्थितियों में युवक का शव पेड़ से लटकता मिला। पुलिस ने मृतक के जेब से मोबाइल फोन बरामद किया। जिसके आधार पर मृतक की पहचान बलरामपुर जिले निवासी के रूप में हुई है। सूचना पर मृतक के परिवार के लोग भी मौके पर पहुंच गए। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है। मामला थाना इकौना क्षेत्र के राजगढ़ गुलरिहा गांव का है। यहां मंगलवार को संदिग्ध परिस्थितियों में युवक की मौत हो गई। गांव के पास बगीचे में पेड़ की डाल से उसका शव लटकता मिला। सुबह खेतों की ओर निकले ग्रामीणों ने इसे देखा। सूचना फैलते ही आसपास के लोगों की भीड़ मौके पर एकत्र हो गई। पुलिस ने मृतक के जेब से मोबाइल फोन बरामद किया। इसके आधार पर उसकी पहचान बलरामपुर जिले के ललिया थाना क्षेत्र के शिवा नगर निवासी राकेश कुमार साहू के रूप में हुई। सूचना पर मृतक के परिवार के लोग भी मौके पर पहुंच गए। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा है।

पैतृक जमीन को लेकर भाई ने भाई को मार डाला

बस्ती । सगे भाईयों में पैतृक जमीनी विवाद को लेकर मामला इतना बढ़ गया कि बड़े भाई और उसके बेटों ने मिलकर छोटे भाई की लाठी–डंडे से पीट कर मार डाला। जानकारी के मुताबिक जिले के रूधौली थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत पकरी चैबे राजस्व पुरवा डढ़वा निवासी राजनरायण चैधरी व राजेन्द्र प्रसाद चैधरी दोनों सगे भाई हैं। माता–पिता की मौत के बाद प्राइवेट नर्सरी स्कूल में पढ़ाने वाले दोनों भाइयों में पैतृक सम्पति को लेकर कई साल से विवाद चल रहा था। सोमवार को दोपहर में दोनों भाईयों की पत्नियों में किसी बात को लेकर विवाद हो गया। बड़े भाई राजनरायण, उनकी पत्नी राधिका, दो बेटे अखिलेश चैधरी (22) और अमरेश चैधरी (19) चाची पर हावी हो गए। उस समय छोटा भाई राजेंद्र प्रसाद कुछ सामान खरीदने चैराहे पर गया था। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक राजेंद्र वापसी में घर के पास पहुंचा ही था कि बड़े भाई राजनरायण चैधरी और उसके दोनों बेटे लाठी–डंडा लेकर उसके ऊपर टूट पड़े। गंभीर हालत में छोड़कर घर पर ताला मारने के बाद यूपी 112 पर सूचना देते हुए फरार हो गए। पुलिस ने घायल को एंबुलेंस से जिला अस्पताल भिजवाया जहां रात दो बजे उसकी मौत हो गई। मंगलवार की सुबह शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। मृतक की पत्नी कुशलावती की तहरीर पर पुलिस ने राजनरायण, उनकी पत्नी राधिका, दो बेटे अखिलेश चैधरी और अमरेश चैधरी के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज किया है।

क्वारंटाइन युवक की मौत, जांच रिपोर्ट का इंतजार

अंबेडकरनगर । अभी तक कोरोना वायरस के पॉजिटिव मरीज से मुक्त रहे अम्बेडकरनगर जिले में क्वारंटाइन किए गए एक युवक की मौत हो गई। थाना जलालपुर के गौरा महमूदपुर के 37 वर्षीय अजय शर्मा की मौत से हड़कंप मच गया। अजय शर्मा के परिजन जिला अस्पताल पहुंच गए हैं। मृतक हार्ट का मरीज बताया जा रहा है। लोगों को कोरोना जांच रिपोर्ट आने का इंतजार है। जानकारी के मुताबिक गौरा महमूदपुर के राजबहादुर का पुत्र अजय शर्मा बीते दिनों प्रयागराज से लौटा था। प्रयागराज से आने के चलते उसे 25 अप्रैल को जिला अस्पताल लाया गया था और जांच के लिए सैंपल लिया गया था। साथ ही शाम को छह बजे क्वारंटाइन विंग एकलव्य स्टेडियम ले जाया गया। जगह कम होने पर बगल के क्वारंटाइन विंग रमाबाई राजकीय महिला महाविद्यालय में क्वारंटाइन किया गया। क्वारंटाइन होने के दूसरे दिन 26 अप्रैल को दोपहर में 11 बजे तबीयत खराब होने पर एंबुलेंस से जिला अस्पताल लाया गया, जहां उसका इलाज चल रहा था। इमरजेंसी में भर्ती अजय शर्मा की इलाज के दौरान मंगलवार की सुबह मौत हो गई। बताया गया है कि वह पहले से ही हार्ट का मरीज है और प्रयागराज में इलाज हो रहा है। बीते दिनों वह प्रयागराज से इलाज करा कर के ही लौटा था। परिजनों ने शव लेने से इंकार कर दिया है। उनका कहना है कि जांच रिपोर्ट आने के बाद ही शव ले जाएंगे। सीएमओ डा. अशोक कुमार ने बताया कि मृतक के सैम्पल की रिपोर्ट आने के बाद आवश्यक कार्यवाही होगी।

पैदल चलकर मुंबई से यूपी पहुंचे व्यक्ति को क्वारंटाइन करने पर छह घंटे में हुई मौत

श्रावस्ती)। पंद्रह दिन पहले उत्तर प्रदेश के श्रावस्ती जिले में अपने घर पहुंचने के लिए एक व्यक्ति ने मुंबई से पैदल चलना शुरू किया था। मुंबई के वसई में रहने वाले इस मजदूर ने रास्ते में भोजन और पानी के लिए खासा संघर्ष किया लेकिन उन्होंने चलना जारी रखा और लगभग 1,500 किलोमीटर पैदल चलकर अपने गांव पहुंचे। वह सोमवार को अपने गांव के बाहरी इलाके में पहुंचे और उसे तुरंत जिले के मल्हीपुर पुलिस स्टेशन के अंतर्गत मटखनवा में एक क्वारंटीन केंद्र में ले जाया गया। कुछ घंटे बाद, पानी की कमी और थकावट के कारण उसकी मृत्यु हो गई।

श्रावस्ती के पुलिस अधीक्षक अनूप कुमार सिंह ने कहा कि इंसाफ अली सुबह सात बजे के करीब मटखनवा पहुंचे और स्थानीय स्कूल में बुनियादी परीक्षण करने के बाद उन्हें छोड़ दिया गया।

सिंह ने बताया कि उन्हें एक उचित नाश्ता भी दिया गया जिसके बाद उन्होंने आराम किया। लेकिन, पांच घंटे के बाद, उन्हें पेट के ऊपरी हिस्से में दर्द की शिकायत शुरू हुई और तीन बार उल्टी भी हुई। इससे पहले कि डॉक्टरों को बुलाया जाता, अली की मृत्यु हो गई। मुख्य चिकित्सा अधिकारी एपी भार्गव ने कहा कि उन्होंने उसके नमूने ले लिए थे और लखनऊ में डॉ. राम मनोहर लोहिया अस्पताल में कोरोनावायरस के परीक्षण के लिए भेज दिया था। सीएमओ ने कहा कि रिपोर्ट सामने आने के बाद ही, हम अली की मौत के सही कारण का पता लगाने के लिए उसके शव का पोस्टमार्टम करेंगे। हालांकि, उन्होंने कहा, डॉक्टरों की एक टीम द्वारा किए गए प्रारंभिक जांच के दौरान, कोरोनोवायरस के कोई संकेत या लक्षण का पता नहीं लगा था।

प्राकृतिक आपदाओ से किसानों की फसल हुई चौपट

अमेठी । प्राकृतिक आपदाओ के कारण किसानों के रवि की फसलें चौपट हो गई है। जिससे गेंहू की फसल आधी बची है। जिले में किसानों से गेंहू खरीद के लिए 50 सरकारी क्रय केंद्र खुले है। लेकिन पैदावार कम होने से सरकारी क्रय केंद्रों पर सन्नाटा पसरा है। जिससे अब तक मात्र तीन फीसद गेंहू की सरकारी खरीद हो पाई है। बाकी अफसर दिनभर किसानों के इन्तजार में केंद्रों पर बैठे रहते हैं। गौरीगंज के विपणन अधिकारी प्रमोद कुमार ने बताया कि उनके पास 25 हजार का लक्ष्य हैं। लेकिन अब तक मात्र 17 किसानों से 744.50 कुंतल की खरीद हो पाई है। जबकि जिले का लक्ष्य 51500 मीट्रिक टन है। इसके सापेक्ष 50 केंद्रों पर 320 किसानों से 1550 मीट्रिक टन गेंहू की खरीद हो पाई है। तिलोई के विपणन अधिकारी राजकुमार सिंह ने बताया कि गेंहू हल्का बहुत है। बाकी गेंहू में करकट और जंगली पौधों के बीज बहुत है। जिससे गेंहू खरीद के पहले बहुत ज्यादा सफाई करवाना पड़ता है। जिससे लेबर खर्च और समय बहुत लगता है। इसके पहले आलू की फसल खराब हो गई थी। जिससे आलू की पैदावार एक तिहाई बची है। इस लिए आलू 20 रुपए किलो बिक रही है। पूर्ण बंदी के बाद आलू और महगी हो गई है। प्राकृतिक आपदाओ के कारण अमेठी के किसानों की कमर टूट गई है। इसके बाद कोरोना की बंदी से और हलकान है। रवि की फसल खराब होने से प्याज और आलू की कीमत बराबर है। गौरीगंज के बड़े किसान आलोक सिंह ने कहा कि तीन बार की ओलावृष्टि और अंधड़ के आने से गेंहू की फसल बिलकुल खराब हो गई है। जिससे पैदावार आधी से भी कम है। जबकि खेती के तजुर्बेकार ज्ञान सिंह ने कहा कि फसल की कीमत वापस करना मुश्किल हो गया है।

आइसोलेशन सेंटर में एनसीसी के प्रशिक्षित वालेंटियर की होगी तैनाती : सीएम योगी

लखनऊ । कोरोना के खिलाफ जंग लड़ रहे यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को बड़ा फैसला लेते हुए कहा कि पृथक–वास केंद्र में राष्ट्रीय कैडेट कोर के प्रशिक्षित स्वयंसेवकों (वालेंटियर) को तैनात किए जाएगा। इसके साथ ही योगी ने कोविड और नान कोविड अस्पतालों को अलग–अलग परिसरों में बनाये जाने के निर्देश दिये। मुख्यमंत्री ने कहा कि लॉकडाउन व्यवस्था का प्रभावी पालन सुनिश्चित कराया जाए। उन्होंने कहा कि मण्डी खुले स्थानों में लगवाई जाए तथा इनमें सामाजिक मेल–जोल की दूरी का विशेष ध्यान रखा जाए। योगी ने कहा कि होम डिलीवरी में लगे लोगों का मेडिकल टेस्ट भी कराया जाए और प्रत्येक जनपद में 15,000 से 25,000 क्षमता के पृथक–वास केंद्र एवं आश्रय स्थल की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

उन्होंने कहा कि पृथक–वास में रखे गये लोगों के नाम, पता, मोबाइल नम्बर युक्त सूची तैयार की जाए। इसके अलावा इन केंद्रों पर अच्छे व पर्याप्त भोजन एवं पेयजल की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। मुख्यमंत्री योगी सोमवार को यहां अपने सरकारी आवास पर आहूत एक उच्चस्तरीय बैठक में लॉकडाउन व्यवस्था की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि प्रदेश में अन्य राज्यों से आने वाले प्रवासी मजदूरों को निश्चित रूप से पृथक–वास में भेजा जाये और इससे पूर्व सभी श्रमिकों की मेडिकल जांच भी सुनिश्चित कराई जाए। उन्होंने कहा कि पृथक–वास केंद्रों पर एनसीसी के प्रशिक्षित स्वयंसेवक तैनात किए जाएं। डेडिकेटेड कोविड अस्पताल बनाये जाने पर बल देते हुए उन्होंने कोविड अस्पतालों और नान कोविड अस्पतालों को अलग–अलग परिसरों में बनाये जाने के निर्देश दिये।

सरकारी क्रय केंद्रों पर पसरा सन्नाटा

अमेठी । प्राकृतिक आपदाओ के कारण किसानों के रवि की फसलें चौपट हो गई है। जिससे गेंहू की फसल आधी बची है। जिले में किसानों से गेंहू खरीद के लिए 50 सरकारी क्रय केंद्र खुले है। लेकिन पैदावार कम होने से सरकारी क्रय केंद्रों पर सन्नाटा पसरा है। जिससे अब तक मात्र तीन फीसद गेंहू की सरकारी खरीद हो पाई है। बाकी अफसर दिनभर किसानों के इन्तजार में केंद्रों पर बैठे रहते हैं। गौरीगंज के विपणन अधिकारी प्रमोद कुमार ने बताया कि उनके पास 25 हजार का लक्ष्य हैं। लेकिन अब तक मात्र 17 किसानों से 744.50 कुंतल की खरीद हो पाई है। जबकि जिले का लक्ष्य 51500 मीट्रिक टन है। इसके सापेक्ष 50 केंद्रों पर 320 किसानों से 1550 मीट्रिक टन गेंहू की खरीद हो पाई है। तिलोई के विपणन अधिकारी राजकुमार सिंह ने बताया कि गेंहू हल्का बहुत है। बाकी गेंहू में करकट और जंगली पौधों के बीज बहुत है। जिससे गेंहू खरीद के पहले बहुत ज्यादा सफाई करवाना पड़ता है। जिससे लेबर खर्च और समय बहुत लगता है। इसके पहले आलू की फसल खराब हो गई थी। जिससे आलू की पैदावार एक तिहाई बची है। इस लिए आलू 20 रुपए किलो बिक रही है। पूर्ण बंदी के बाद आलू और महगी हो गई है। प्राकृतिक आपदाओ के कारण अमेठी के किसानों की कमर टूट गई है। इसके बाद कोरोना की बंदी से और हलकान है। रवि की फसल खराब होने से प्याज और आलू की कीमत बराबर है। गौरीगंज के बड़े किसान आलोक सिंह ने कहा कि तीन बार की ओलावृष्टि और अंधड़ के आने से गेंहू की फसल बिलकुल खराब हो गई है। जिससे पैदावार आधी से भी कम है। जबकि खेती के तजुर्बेकार ज्ञान सिंह ने कहा कि फसल की कीमत वापस करना मुश्किल हो गया है। अब वे गर्मियों में धान की फसल पैदा करके घाटे की भरपाई करेंगे।

मंदिर में दो साधुओं की हत्या

बुलंदशहर/लखनऊ । उप्र के बुलंदशहर जिले के अनूपशहर क्षेत्र स्थित एक शिव मंदिर में मंगलवार तड़के दो साधुओं की लाठी से प्रहार कर हत्या कर दी गई। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस घटना को बेहद गंभीरता से लेते हुए अधिकारियों को आवश्यक कार्यवाही करने के आदेश दिए हैं। वहीं, विपक्ष ने मामले की गहराई से जांच करने और इसका राजनीतिकरण न करने की मांग की है।

बुलंदशहर के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक संतोष कुमार सिंह ने बताया कि अनूप शहर थाना क्षेत्र स्थित पगौना गांव में एक शिव मंदिर में जगदीश (50) और शेर सिंह (52) नामक साधुओं की हत्या कर दी गई। उन्होंने बताया कि गांव का ही रहने वाला मुरारी नामक युवक अक्सर मंदिर आता था। वह नशे का आदी था और करीब दो दिन पहले उसने इन साधुओं का चिमटा चुरा लिया था। मंगलवार तड़के इसी बात को लेकर उनका मुरारी के साथ झगड़ा हुआ था। सिंह ने बताया कि मुरारी ने दोनों साधुओं की डंडे से प्रहार कर हत्या कर दी। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया है। ग्रामीणों की मदद से पकड़े गये हत्यारोपी ने पूछताछ में पुलिस को बताया कि 27/28 अप्रैल की दरम्यानी रात को वह भांग खाकर मंदिर गया और वहां सो रहे दोनों साधुओं के सिर पर लाठी से वार करके उन्हें मार डाला। हत्या की वजह के बारे में पूछे जाने पर मुरारी ने बताया कि उसकी साधुओं से कोई रंजिश नहीं थी। यह घटना 'भगवान की इच्छा' है। इस बीच, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने घटना को गंभीरता से लेते हुए वरिष्ठ अधिकारियों से विस्तृत रिपोर्ट मांगी है साथ ही आरोपी के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई करने को कहा है।

वहीं, सपा और कांग्रेस ने बुलंदशहर में दो साधुओं की हत्या की गहराई से जांच की मांग करते हुए इनका राजनीतिकरण न करने को कहा है।

पिता लालू प्रसाद की सेहत को लेकर चिन्तित हैं तेजस्वी

पटना । बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने अपने पिता और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के राष्ट्रीय अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव की सेहत को लेकर चिन्ता जतायी है। तेजस्वी ने कहा कि मेरे पिता लालू प्रसाद जी का इलाज कर रहे डॉक्टरों का कोरोना संक्रमित व्यक्ति के संपर्क में आने और उन्हें क्वारनटीन करने की खबर जब से उन्हें मिली है पूरा परिवार चिन्तित है।

तेजस्वी ने कहा, ' मैं इस तथ्य को सोचकर परेशान हूं कि मेरे पिता 72 वर्ष की उम्र में किडनी, हॉर्ट, शुगर जैसी अनेक क्रॉनिक बीमारियों से जूझते हुए कोरोना जैसी संक्रमित महामारी के लिए सबसे अधिक असुरक्षित हैं, इसलिए उन्हें इलाज में अत्यधिक सुरक्षा और सावधानी चाहिए। साथ ही कहा कि जिस किसी के पास परिवार होता है, वही ऐसे दर्द और तनाव को समझ सकता है।'

लालू का इलाज रांची के रिम्स में चल रहा है। लालू का इलाज डॉक्टर उमेश प्रसाद कर रहे हैं। उनके वार्ड के एक मरीज में सोमवार को कोराना संक्रमण की पुष्टि हुई। इसके बाद डॉक्टर उमेश प्रसाद को भी क्वारनटीन में भेज दिया गया। इसके बाद से ही लालू परिवार परेशान है।

यूपी में आंधी–बारिश का कहर, 5 की मौत

लखनऊ । पश्चिमी विक्षोभ के कारण उत्तर प्रदेश समेत मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान में मौसम में बदलाव देखा गया। आम जन को गर्मी से राहत मिली, लेकिन आंधी–बारिश, ओलावृष्टि और वज्रपात से किसान निराश नजर आए। गेहूं, दलहनी फसलें भीग जाने के कारण चौपट हो गईं जबकि आम के बौर गिर गए। वहीं उत्तर प्रदेश में पांच लोगों की मौत हो गई। इस बीच, मौसम विभाग का कहना है कि दक्षिण अंडमान सागर पर कम दबाव का क्षेत्र बन रहा है, इससे अगले 48 घंटे में अंडमान–निकोबार द्वीप समूह और इसके आसपास के इलाके में चक्रवात आने की आशंका पैदा हो गई है। कई राज्यों में बारिश हो सकती है।

प्रेमी ने दोस्त संग मिलकर की प्रेमिका की हत्या, शव को कुएं में फेंका

लॉकडाउन में घर से भागने की कर रही थी जिद

फतेहपुर। जानलेवा कोरोना वायरस के चलते जारी लॉकडाउन के बीच यूपी के फतेहपुर जिले में एक युवक ने दोस्त के साथ मिलकर अपनी प्रेमिका को मौत के घाट उतार दिया। खबरों के अनुसार युवक ने गला घोंटकर प्रेमी की हत्या की और गांव के बाहर कुएं में शव को फेंक दिया। पुलिस ने घटना के उन्नीस दिन बाद युवती के शव को कुएं से बरामद कर प्रेमी और उसके साथी को भी गिरफ्तार कर लिया है। जानकारी के मुताबिक, मामला असोथर थाना क्षेत्र स्थित कुसुम्भी गांव का है। सोलह वर्षीय युवती गांव के रहने वाले दिनेश सिंह भदौरिया नामक युवक से प्रेम करती थी। साल भर पहले शुरू हुई इस प्रेम कहानी की चर्चा पूरे गांव में थी। बीती सात अप्रैल की रात प्रेमिका अपने घर से फरार हो गई थी। परिजन उसे कई दिनों तक ढूढते रहे, लेकिन उसके बारे में कोई पता नहीं चला तो परिजनों ने अज्ञात लोगों पर किशोरी को अगवा करने का मुकदमा दर्ज कराया। साथ ही दिनेश भदौरिया पर किशोरी को अगवा करने का शक भी जाहिर किया।

इसी बीच खेत में काम कर रहे कुछ किसानों ने उस कुएं से बदबू को महसूस किया। जब किसानों ने कुएं में झांककर देखा तो उसमें उन्हें शव पड़े होने की जानकारी मिली। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कुएं से निकालने के बाद उसे पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। प्रेमिका का शव बरामद होने के बाद पुलिस ने प्रेमी को हिरासत में लेकर कड़ाई से पूछताछ की तो उसने अपना जुर्म कबूल लिया। उसने पुलिस को बताया कि बीती 7 अप्रैल की शाम को प्रेमिका अपने घर से भाग कर उसके नलकूप पर पहुंच गई। फिर, वह इसके साथ घर से भाग चलने की जिद करने लगी। लेकिन लॉकडाउन की वजह से दिनेश ने घर से भागने पर असमर्थता जताई। पर प्रेमिका नहीं मानी तो उसने अपने साथी के साथ मिलकर गला दबाकर उसकी हत्या कर दी और शव को कुएं में फेंक दिया। इस मामले में जिले के पुलिस अधीक्षक प्रशांत वर्मा का कहना है कि हत्या की वारदात को अंजाम देने वाले प्रेमी दिनेश भदौरिया और उसके साथी को गिरफ्तार कर लिया गया है। उन्होंने बताया कि नाबालिग लड़की की हत्या करने वाले शातिर प्रेमी और उसके साथी को कड़ी सजा मिल सके इसके लिए पुलिस पूरा प्रयास करेगी।

यूपी में कोरोना के एक्टिव मामले 1612 हुए

लखनऊ । उत्तर प्रदेश में मंगलवार को कोरोना संक्रमण के 1612 एक्टिव मामले हो गये। सूबे के 60 जिलों में संक्रमण का असर देखा जा सकता है। जबकि सात जिले ऐसे हैं जहां कोई एक्टिव संक्रमण नहीं है। वहीं राज्य में अब तक 31 लोगों की मौत हो चुकी है।

प्रमुख सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अमित मोहन प्रसाद ने यहां संवाददाताओं को बताया प्रदेश में एक्टिव केसेज की कुल संख्या 1612 है। कुल 400 लोग पूर्णतया उपचारित होकर घर जा चुके हैं जबकि 31 लोगों की दुर्भाग्यपूर्ण मौत हुई है। उन्होंने बताया कि संक्रमण के कुल 2043 मामले प्रदेश के 60 जिलों से अब तक सामने आये हैं। इस समय सात जिले ऐसे हैं, जहां कोई एक्टिव संक्रमण नहीं है। उन्होंने बताया कि कल कुल 4384 सैम्पल की जांच की गयी और 2900 सैम्पल लैब भेजे गये। उन्होंने कहा कि संक्रमण का सबसे बड़ा स्रोत 'मेडिकल इन्फेक्शन' निकलकर आ रहा है। अस्पतालों में डाक्टर और नर्स संक्रमित हो रहे हैं और उनसे अन्य लोगों में संक्रमण जा रहा है। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ इसके प्रति अत्यंत सजग हैं और इसे लेकर चिन्ता भी व्यक्त की है। कई जनपदों से हेल्थकेयर स्टाफ के संक्रमित होने के प्रकरण सामने आये हैं। उन्होंने बताया कि प्रदेश के सभी 75 जिलों में अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी के नेतृत्व में समितियों का गठन कर लिया गया है, जिनमें डाक्टर, आईएमए, डब्ल्यूएचओ और यूनिसेफ के प्रतिनिधि, प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अधिकारी और क्वालिटी कंसल्टेंट शामिल हैं।

प्रसाद ने बताया कि सभी समितियों से कहा गया है कि मंडलीय मुख्यालयों के जनपद कम से कम दस अस्पतालों और अन्य जिलों के कम से कम पांच अस्पतालों की सूची बनाकर उनके एक–एक नोडल अधिकारी को कल प्रशिक्षण देंगे कि मेडिकल इन्फेक्शन के प्रोटोकाल का पालन कैसे करना है। उन्होंने बताया कि नोडल अधिकारी अपने अपने अस्पताल के अन्य डाक्टरों और पैरा मेडिकल स्टाफ को प्रशिक्षण प्रदान करेंगे। ये प्रशिक्षण कल हो जाएगा ताकि 30 अप्रैल से ये अस्पताल प्रोटोकाल का पालन करते हुए आकस्मिक एवं आवश्यक चिकित्सा सुविधाएं दें जिससे हेल्थकेयर स्टाफ भी बचा रहे और लोगों को सुविधाएं मिलती रहें। प्रसाद ने बताया कि अन्य चिकित्सालय, जो प्रशिक्षण पाना चाहेंगे, उन्हें भी पांच मई तक प्रशिक्षित कर दिया जाएगा।

प्रमुख सचिव ने बताया कि मुख्यमंत्री ने ये निर्देश भी दिया है कि एल–1 अस्पतालों में आइसोलेशन बेड की संख्या बढायी जाए। उस क्रम में अस्थायी अस्पताल भी बनाये रहे हैं। कुछ का चिन्हांकन हो गया है और जल्द ही उन्हें अधिसूचित कर देंगे। दस हजार से ज्यादा बेड तैयार पहले से हैं। उन्होंने बताया कि आज की स्थिति के अनुसार आइसोलेशन वार्ड में 1764 मरीज हैं जबकि क्वारेंटाइन फेसिलिटी में 11,725 लोग हैं। पीपीई किट के बारे में प्रसाद ने स्पष्ट किया कि पहले पीपीई किट 'एच–1 एन–1' के लिए ली गयी थीं और पूरे प्रदेश में इस्तेमाल की गयीं थीं। इन किटस की तुलना अभी की किट से नहीं की जानी चाहिए क्योंकि पुरानी वाली किट मात्र 115 रूपये की थी और अभी की किट 1100 रूपये की है यानी दाम में दस गुना फर्क है इसलिए तुलना करना उपयुक्त नहीं है। वो किट उस समय के लिए मंजूर की गयी थीं। उनका पूरे प्रदेश में उपयोग किया गया है। किसी को कोई संक्रमण नहीं हुआ है।

प्रयागराज से अपने घरों को लौटने लगे छात्र, 50 बसें हुई रवाना

लखनऊ । प्रयागराज में अध्ययनरत छात्रों को उनके गृह जनपद तक पहुंचाने का काम आरंभ हो गया है और करीब पचास बसों से इन्हें लाया जा रहा है। अपर मुख्य सचिव, गृह अवनीश कुमार अवस्थी ने मंगलवार को पत्रकारों को बताया कि प्रयाग राज से जो छात्र प्रदेश में अपने–अपने जनपदों को जा रहे हैं उनका स्वास्थ्य परीक्षण किया जा रहा है। जब यह छात्र अपने अपने जिलों में पहुंचेंगे तो वहां भी उनका स्वास्थ्य परीक्षण होगा। इससे पहले कोटा राजस्थान में प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे छात्राओं को उप्र लाया गया था और उन्हें उनके गृह जनपदों में भेजा गया था।

विदित हो कि सोमवार को मुख्यमंत्री योगी ने प्रयागराज में प्रदेश के अन्य जिलों के रहने वाले छात्रों को उनके गृह जनपद में पहुंचाने का आदेश जारी किया था। जिससे करीब 10 हजार छात्रों को 300 बसों से उनके गृह जनपद तक पहुंचाया जाएगा। अपर मुख्य सचिव ने बताया कि उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश के बाद हरियाणा से अब तक बारह हजार से अधिक श्रमिकों को यूपी लाया गया है। इसी तरह अन्य प्रदेशों से भी वहां रह रहे उप्र के मजदूरों को लाये जाने के लिये वहां के अधिकारियों से बातचीत की जा रही है। उन्होंने बताया कि आने वाले सभी श्रमिकों की मेडिकल जांच करा ली गई है। इसके बाद भी उन्हें अपने–अपने जिले के क्वारंटीन सेंटर में भेजा गया है जहां उन्हें 14 दिनों तक रहना होगा।

लापता लड़की का शव बरामद, प्रेमी गिरफ्तार

फतेहपुर । जिले के असोथर थाना क्षेत्र के कुसुंभी गांव में बीस दिन पूर्व घर से लापता हुई 17 साल की लड़की का शव सोमवार की शाम जंगल के सूखे कुएं से बरामद किया गया। जानकारी के मुताबिक सोमवार की शाम जंगल के सूखे कुएं से 17 साल की लड़की का सड़ा–गला शव बरामद किया गया है। लड़की पिछले बीस दिन से अपने घर से लापता थी। इस सिलसिले में उसके कथित प्रेमी दिनेश सिंह भदौरिया (22) को गिरफ्तार किया गया है। बताया जाता है कि लड़की सात अप्रैल की रात घर से लापता हुई थी और थाने में उसकी गुमशुदगी 12 अप्रैल को दर्ज करवाई गई थी। लड़की के परिजनों ने दिनेश सिंह से उसके प्रेम–प्रसंग होने का खुलासा किया था और उस पर लड़की को गायब करने का शक जताया था। पुलिस ने जब युवक को हिरासत में लेकर पूछताछ की तो उसने अपने साथी प्रेमनारायण के साथ मिलकर लड़की की हत्या कर शव कुएं में फेंकना स्वीकार किया। बाद में गिरफ्तार युवक की निशानदेही पर सोमवार को शाम सड़ा–गला शव बरामद कर उसे पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया है। अभी प्रेमनारायण फरार है, उसकी गिरफ्तारी की कोशिश की जा रही है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

लॉकडाउन में भी फिटनेस को लेकर गंभीर जाह्नवी कपूर ने फैंस को शेयर की वर्कआउट करते तस्वीर

मुंबई । बॉलीवुड में मशहूर रहीं अभिनेत्री श्रीदेवी की खूबसूरत बेटी जाह्नवी कपूर युवा पीढ़ी की मशहूर अभिनेत्रियों में से एक हैं। फिल्म धड़क से डेब्यू करने वाली जाह्नवी कपूर धीरे–धीरे फिल्मी दुनिया में अपनी पहचान बना रही हैं। श्रीदेवी और बोनी कपूर की बड़ी बेटी जाह्नवी के चर्चे अक्सर होते हैं। इन दिनों देशभर के लोगों की तरह जाह्नवी कपूर भी अपने घर में परिवार संग समय बिता रही हैं। ऐसे में अब उनकी एक नई फोटो सामने आई है, जिसने प्रसंशकों का दिल जीत लिया है। जाह्नवी कपूर अपनी फिटनेस का खूब ध्यान रखती हैं और रोज ही जिम के बाहर स्पॉट की जाती हैं। हालांकि लॉकडाउन के चलते ऐसा नहीं हो पा रहा है। इसीलिए अन्य स्टार्स की तरह जाह्नवी कपूर भी घर में ही वर्कआउट कर रही हैं। जाह्नवी ने अब अपनी पोस्ट वर्कआउट फोटो पोस्ट की है। इस सनकिस्ड फोटो में जाह्नवी कपूर काफी सुन्दर लग रही हैं। ये फोटो जाह्नवी के फैन पेज पर वायरल हो रही है। ज्ञात हो कि कुछ समय पहले जाह्नवी कपूर ने एक अंतरराष्ट्रीय मै. गजीन के लिए कवर फोटोशूट करवाया था। इस फोटोशूट को जाह्नवी कपूर की छोटी बहन खुशी कपूर ने किया था। और ये बहुत अच्छा था। जाह्नवी के साथ उनका पेट डॉग पांडा मैगजीन कवर पर फीचर हुआ था। जाह्नवी कपूर इन दिनों कोरोना वायरस के लॉकडाउन के चलते अपने घर में सेल्फ आइसोलेशन में हैं। उनके साथ उनके पिता बोनी कपूर और बहन खुशी कपूर हैं। दोनों बहनें साथ मिलकर काफी अच्छा समय बिता रही हैं। जाह्नवी के प्रोजेक्ट्स की बात करें तो वे राजकुमार राव संग फिल्म रूही अफ्जाना में नजर आएंगी। इसके अलावा वे करण जौहर के प्रोडक्शन में बनने वाली फिल्म दोस्ताना 2 और तख्त में भी काम कर रही हैं।

अभिनेता सचिन की बेटी श्रिया बोली– अन्य स्टार बच्चों के मुकाबले मेरा तरीका काफी अलग

मुंबई । मराठी और हिंदी फिल्मों के सक्षम और प्रतिभाशाली अभिनेता सचिन और मराठी फिल्मों की सितारा अभिनेत्री सुप्रिया पिलगां. वकर की बेटी श्रिया पिलगांवकर ने अपने फिल्मों के प्रवेश पर बड़ी और गहरी बात कही है। उनका मानना है कि मुख्य धारा के सिनेमा में बतौर अभिनेत्री लॉन्च होने का उनका तरीका ज्यादातर स्टार किड्स से काफी अलग था। श्रिया ने कहा, ष्बहुत से सेलिब्रिटी बच्चों की तुलना में, जो कलाकार बन गए हैं, मुझे लगता है कि मैंने जिस तरह का काम चुना है और जिस तरह के काम के साथ शुरुआत की है, वह काफी अपरंपरागत था। मैंने अपनी शुरूआत एक मराठी फिल्म से की, फिर मैंने एक फ्रेंच फिल्म की। मेरे लिए यह सिर्फ एक अभिनेत्री बनने के बारे में नहीं था, बल्कि मेरे कौशल को और मजबूत और बेहतरीन करने के बारे में भी था।ष अभिनय में कदम रखने से पहले श्रिया ने कई परियोजनाओं पर एक सहायक निर्देशक के रूप में काम किया है। इस बारे में उन्होंने कहा, ष्कॉलेज से ग्रेजुएट होने के बाद मैंने कथक सीखना शुरू कर दिया और जब मैं कथक सीख रही थी, तब मैंने कई फिल्मों में एक एड के रूप में भी काम किया और लघु फिल्में भी बना रही थी। एक बार जब मैंने थिएटर करना शुरू किया तो एक्टिंग बहुत ऑर्गेनिकली हुआ। यह ऐसा कुछ नहीं था जिसे मैंने तय किया था कि मुझे बस ये ही करना है।ष श्रिया ने साल 2016 की फिल्म 'फैन' से अपना बॉलीवुड डेब्यू किया, जिसमें वह अभिनेता शाहरुख खान विपरीत थी। इसके बाद उन्होंने वेब शो 'मिजार्पुर' में अपने अभिनय को साबित किया। अपनी अब तक की यात्रा के बारे में बात करते हुए युवा अभिनेत्री ने बताया कि किस तरह उनके माता–पिता हमेशा से उनके लिए प्रेरणास्रोत रहे हैं। उन्होंने कहा, ष्उनकी बेटी होना मेरे लिए किसी आशीर्वाद से कम नहीं। वे दोनों मुझे काफी प्रेरित करते हैं।

अंकिता लोखंडे सुशांत सिंह राजपूत से ब्रेकअप के बाद कोरोबारी से कर रही डेट, पर शादी अभी नहीं

मुंबई । छोटे पर्दे पर शानदार कामयाबी प्राप्त करने के बाद कई सितारों को बड़े पर्दे का रुख करते देखा गया है। कई तो फिल्मों में जाकर काफी सफल भी हुए हैं, वहीं कई अभी तक सपना पूरा होने का इंतजार कर रहे हैं। हाल ही में मशहूर अभिनेत्री अंकिता लोखंडे ने अपने इंटरव्यू में कुछ ऐसा ही जाहिर किया है। अंकिता बीते काफी दिनों से अपने रिलेशनशिप को लेकर चर्चा में बनी हुई हैं। अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत से ब्रेकअप के बाद अंकिता इन दिनों कारोबारी विकी जैन को डेट कर रही हैं। वहीं शादी के सवाल पर अंकिता ने साफ कर दिया है वो सिर्फ एक शर्त पर ही शादी करेंगी। ये शर्त है उनका सपना पूरा होने की।

अंकिता लोखंडे ने हाल ही में अपने एक इंटरव्यू में इसे लेकर बात की है। उनसे शादी के प्लान्स के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा– 'अभी तो बहुत काम करना है, शादी से पहले मैं काफी कुछ हासिल करना चाहती हूं'। अंकिता का कहना है कि 'मैं शादी करुंगी लेकिन मैं एक फिल्म करना चाहती हूं जोकि सिर्फ मेरी हो, मैं उसमें लीड हीरोइन रहूं। मैं चाहती हूं कि इस चीज के लिए लोग मुझे याद करें'।

ये पूछे जाने पर कि क्या वो शादी के बाद एक्टिंग को अलविदा कह देंगी अंकित कहती हैं कि 'नहीं ऐसी बात नहीं। शादी करने से पहले मैंने कुछ चीजें सोच रखी है अपने लिए। मैं प्रतिभासंपन्न हूं और मेहनती भी हूं और मुझे पता है कि मेरा ये सपना भी पूरा होगा'। मालूम हो कि अंकिता अभिनेत्री कंगना रनौत की फिल्म 'मणिकर्णिका' में नजर आई थीं। इसके बाद वो किसी बड़े प्रोजेक्ट से नहीं जुड़ी हैं। वहीं अब उनके प्रशंसकों को उन्हें बड़े स्क्रीन पर देखने का इंतजार है। बात करें पर्सनल लाइफ की तो अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत के साथ उनका रिश्ता काफी समय तक चर्चा में रहा। वहीं उनसे ब्रेकअप के बाद वो इन दिनों कारोबारी विकी जैन को डेट कर रही हैं और ये दोनों सोशल मीडिया पर अक्सर एक साथ तस्वीरें शेयर करते नजर आ जाते हैं।

दिशा ने शेयर किया डू यू लव मी पर डांस वीडियो, टाइगर की मां और बहन ने किया कमेंट

मुंबई । बॉलीवुड अभिनेत्री दिशा पटानी को उनकी जानदार एक्टिंग के साथ ही दमदार डांस और ग्लैमरस लुक के लिए भी जाना जाता है। दिशा आए दिन सोशल मीडिया पर अपनी हॉट और बोल्ड तस्वीरें शेयर करती रहती हैं, जो उनके फैंस को भी काफी पसंद आती हैं। इस बीच दिशा पाटनी ने 'बागी 3 के अपने डांस नंबर डू यू लव मी का एक वीडियो शेयर किया है, जो कि लोगों को खूब पसंद आ रहा है और लोग इस पर कमेंट के जरिए प्रतिक्रिया कर रहे हैं। यही नहीं उनके इस वीडियो पर टाइगर श्रॉफ की मम्मी आयशा श्रॉफ और बहन कृष्णा श्रॉफ ने भी कमेंट किया है। दिशा के वीडियो पर कमेंट करते हुए टाइगर श्रॉफ की मां ने इसे शानदार बताया है, वहीं कृष्णा श्रॉफ ने वीडियो पर कमेंट करते हुए लिखा, क्वीन। वीडियो में दिशा के जबरदस्त डांस करती दिख रही हैं, जिसे देखकर हर कोई उनका दीवाना हुआ जा रहा है और उनके मूव्ज की तारीफ कर रहा है।

बता दें 6 मार्च 2020 को रिलीज हुई थी और बॉक्स ऑफिस पर इस फिल्म ने काफी धमाल मचाया था, लेकिन इसी दौरान कोरोना के मामले सामने आने पर फिल्म की कमाई पर इसका असर भी देखने मिला था। इस फिल्म में टाइगर श्रॉफ, श्रद्धा कपूर, रितेश देशमुख और अंकिता लोखंडे मुख्य भूमिका में दिखाई दिए थे। वहीं हाल में ऐसी खबरें आई थीं कि लॉकडाउन के बीच दिशा पाटनी टाइगर श्रॉफ के साथ रह रही हैं। इस पर टाइगर श्रॉफ की बहन कृष्णा ने बताया था कि दिशा और टाइगर साथ नहीं रह रहे हैं। कृष्णा श्रॉफ ने कहा था कि दिशा उनके साथ नहीं रह रही हैं। लेकिन वह उनके घर के पास रहती हैं जिसके चलते वह अक्सर आती–जाती रहती हैं। यही नहीं कभी–कभी दिशा और कृष्णा सामान लेने भी साथ ही बाहर जाते हैं।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

66 नए रोगियों के साथ राजस्थान में 2328 हुई कोरोना रोगियों की संख्या, 51 की मौत

जयपुर । राजस्थान में कोरोना वायरस संक्रमण के 66 नए मामले सामने आने से संक्रमित लोगों की संख्या मंगलवार सुबह बढ़कर 2328 हो गई है। राज्य के अतिरिक्त मुख्य सचिव (स्वास्थ्य) रोहित कुमार सिंह ने बताया मंगलवार सुबह नौ बजे तक राज्य में 66 नए मामले सामने आए हैं। नए मामलों में कोटा में 19, जयपुर में 17, जोधपुर में 13, अजमेर में 11, टोंक में तीन व सीकर में एक नया रोगी शामिल है। राजस्थान में कोरोना वायरस संक्रमण के कुल मामलों में दो इतालवी नागरिकों के साथ साथ 61 वे लोग भी शामिल हैं, जिन्हें ईरान से लाकर जोधपुर व जैसलमेर में सेना के आरोग्य केंद्रों में ठहराया गया है।

कोटा के एनएमसीएच अस्पताल में भर्ती 60 साल के एक व्यक्ति की सोमवार रात मौत हो गई। इससे राज्य में कोरोना वायरस संक्रमण से जुड़ी मौतों की संख्या बढ़कर 51 हो गई है। अधिकारियों का कहना है कि ज्यादातर मामलों में रोगी किसी न किसी अन्य गंभीर बीमारी से भी पीड़ित थे। राज्यभर में 22 मार्च से लॉकडाउन है और अनेक थाना क्षेत्रों में कर्फ्यू लगा हुआ है।

कार्मिकों को भी मिल सकेगी अनुग्रह राशि

जयपुर । प्रदेश में कोरोना वायरस संकट के दौरान ड्यूटी पर संक्रमित होने के कारण राज्य सरकार के किसी कर्मचारी–अधिकारी की मौत होने पर उसके परिजनों अथवा आश्रितों को 50 लाख रूपए की अनुग्रह राशि देने का निर्णय राज्य के स्वायत्त–शाषी निकायों, बोर्ड, कॉर्पोरेशन आदि के कर्मचारियों–अधिकारियों के संदर्भ में भी लागू होगा।

वित्त विभाग ने पूर्व में 11 अप्रैल को जारी आदेश के क्रम में एक अन्य आदेश जारी कर स्पष्ट किया है कि राज्य सरकार के किसी भी कार्मिक की तर्ज पर ही स्वायत्त–शाषी निकायों, बोर्ड, कॉर्पोरेशन आदि के कार्मिकों की कोरोना वायरस संकट के दौरान ड्यूटी पर संक्रमण होने के चलते मौत होने पर उसके परिजनों को भी यह अनुग्रह राशि दी जाएगी। सरकार ने यह भी स्पष्ट किया है कि संबंधित स्वायत्त निकाय, बोर्ड या कॉर्पोरेशन के अध्यक्ष इस राशि के लिए स्वीकृति जारी करेंगे। राशि का भुगतान संबंधित निकाय के अपने मद से किया जाएगा।

असाधारण समय में विशेष कदम उठाने होंगे–सिंह

जयपुर । राजस्थान सरकार के पर्यटन मंत्री विश्वेन्द्र सिंह ने मीटिंग के दौरान कहा कि यह असाधारण समय है और हमें पर्यटन सेक्टर को फिर से जीवंत करने के लिए मिलकर काम करने की जरूरत है। जयपुर में पर्यटन भवन में आज राजस्थान रीवाइवल समिट में संबोधित करते हुए पर्यटन मंत्री ने कहा। बैठक में वैश्विक महामारी और कोरोना के बाद के समय में राजस्थान में पर्यटन को पुनर्जीवित करने के लिए विविध सुझाव रखे गए।

पर्यटन मंत्री ने बैठक में विभिन्न टूरिज्म स्टेकहोल्डर्स के साथ विचार–विमर्श किया। इस बैठक में राजसमंद सांसद, दीया कुमारी जो की संसद पर्यटन सलाहकार समिति की सदस्य भी हैं उपस्थित थीं। पर्यटन मंत्री ने कहा कि सभी दलों को मिलकर काम करना होगा। पर्यटन मंत्री ने आगे कहा कि राजस्थान को घरेलू पर्यटकों के लिए पसंदीदा पर्यटन स्थल के रूप में पेश करने के लिए एक आक्रामक विपणन अभियान चलाया जाएगा। उन्होंने कहा कि आध्यात्मिक, वन्य जीवन और एडवेंचर पर्यटन पर ध्यान केंद्रित करने के लिए नए सर्किट पर काम करना होगा। पैलेस ऑन व्हील्स, जिसमें 98 प्रतिशत विदेशी यात्री होते थे, अब घरेलू पर्यटकों पर भी ध्यान केंद्रित करेंगे। उनके हिसाब से इसमें बदलाव भी किया जाएगा। मंत्री ने यह भी सुझाव दिया कि विभाग की वेबसाइट को नए सिरे से बनाया जाना चाहिए और सोशल मीडिया को और अधिक नवीन और रचनात्मक बनाया जाना चाहिए। उन्होंने यह भी बताया कि विभाग में स्वास्थ्य और स्वच्छता के मुद्दों को लेकर एक समिति बनाई गई है। स्वास्थ्य विभाग द्वारा बताए गए विभिन्न स्वास्थ्य दिशा निर्देशों का पालन किया जाए।

उदयपुर चिकित्सालय में लगाया सेनेटाइजर पंखा

जयपुर । कोरोना संक्रमण रोकथाम के लिए उदयपुर के सुंदर सिंह भंडारी जिला चिकित्सालय के अहाते में सेनेटाइजर पंखा लगाया गया है। यहां का स्टाफ एवं रोगी इस सेनेटाइजर पंखे से सेनेटाइज होने के बाद आवाजाही कर रहे हैं। इससे कोरोना संक्रमण की रोकथाम हो सकेगी। वार्ड नंबर दस के पार्षद गिरीश भारती ने बताया कि जन सहयोग से लगाए गए इस सेनेटाइजर पंखे का नवाचार किया है। यह नवाचार सफल रहा तो जन सहयोग से ऐसे सेनेटाइजर पंखे सभी चिकित्सालयों, थानों एवं मेडिकल दुकानों पर लगाये जाएंगे। इस अवसर पर जिला चिकित्सालय प्रभारी अधिकारी डॉ राहुल जैन, समाजसेवी शंकर चंदेल, धर्मेंद्र राजोरा, अजय पोरवाल, नरेंद्र राठौड़, दिलीपसिंह, जाजी मेघवाल, किशन मेघवाल एवं अनुश्री तंबोली उपस्थित थे।

सभी मजदूरों को गंतव्य स्थान तक पहुंचाया जायेगा–चौधरी

जयपुर । राज्य विधानसभा में सरकारी उपमुख्य सचेतक महेन्द्र चौधरी ने लॉकडाउन चलते प्रदेश में फंसे लोगों से आग्रह किया है कि वे संयम बरते। राज्य सरकार उनको अपने निश्चित स्थानों पर पहुंचाने के लिए कटिबद्ध है।

चौधरी ने एक बयान जारी कर बताया कि देश के अन्य हिस्सो में जितने भी राजस्थानी मजदूर फंसे हुए है उनको यहां लाने की जिम्मेदारी सरकार की है। इसके लिए सरकार ने प्रयास तेज कर दिए है। मजदूरों को लाने के लिए जो पद्धति अपनाई गई है उस पद्धति के अनुसार वह अपना आवेदन करें और उसके आधार पर निर्धारित तिथि पर उनको अपने गंतव्य स्थान पर पहुंचाया जायेगा साथ ही प्रदेश के सभी भाई बहन जो देश के अन्य हिस्सो में फंसे हुए है वह संयम और धैर्य बनाए रखें सभी को वापस लाने की पूरी कोशिश की जा रही है।

11 साल की बच्ची से रेप

जयपुर । राजस्थान के अजमेर के केकड़ी में मासूम के साथ बलात्कार की घटना सामने आयी है जिला पुलिस अधीक्षक कुंवर राष्ट्रदीप ने घटना. स्थल का मौका मुआयना किया और अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश देते हुए टीम गठीत कर आरोपी को शीघ्र गिरफ्तार करने के निर्देश दिए हैं।

जानकारी के मुताबिक केकड़ी में दरिंदे ने मानवता को शर्मसार करते हुए 11 वर्षीय मासूम के साथ बलात्कार कर उसको अधमरी हालत में सुनसान जंगल में छोडक़र फरार हो गया बाद में परिजन बालिका को लेकर केकडी अस्पताल पहुंचे, जहां से प्राथमिक उपचार के बाद नाजुक हालत में मासूम को अजमेर रेफर कर दिया गया। घटना की सूचना मिलते ही एसपी, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, डिप्टी सीआई सहित सभी प्रशासनिक अधिकारी और जिले से अलग–अलग विशेषज्ञ टीमें मौके पर पहुंची और घटनास्थल का मौका मुआयना किया। घटनाक्रम के अनुसार केकड़ी में सापणदा रोड पर मासुम बालिका अपने मां–बाप और तीन भाई बहनों के साथ खेत पर सो रही थी इसी दौरान एक युवक आता है और बालिका का मुंह बद करके मोटरसाइकिल पर बिठ. ाकर खेत से आधा किलोमीटर दूर ले जाकर जंगल में उसके साथ बलात्कार करता है। हवस के भूखे भेडिए ने मासूम के साथ कई मर्तबा बलात्कार किया, जिसके चलते बालिका की हालत बहुत ज्यादा खराब हो गई। बालिका के परिजनों द्वारा बच्ची को तलाश करने पर बच्ची खून से लथपथ मिली जिसको केकडी के राजकीय चिकित्सालय में भर्ती कराया हालत इतनी गं. भीर थी कि उसे केकडी अस्पताल से अजमेर अस्पताल में रेफर करना पडा। मामले को गंभीरता से लेते हुए

राज्य के कई जिलो को क्वारंटाइन से मिली सफलता

राजस्थान के 7 जिलों में होम क्वारेंटाइन की कवायद के परिणाम काफी बेहतर आए हैं राज्य के कुछ जिले ऐसे हैं जिनमें कोरोना के पॉजिटिव केस सामने आए, लेकिन उन्होंने होम क्वारेंटाइन के फार्मूले का बखूबी इस्तेमाल कर इस वायरस की चेन का वहीं तोड़ दिया। इसका परिणाम यह हुआ कि वहां नए केस सामने नहीं आए। जो केस आए थे उन्हें स्वस्थ कर वापस घर भेजने में सफलता हासिल कर ली है। होम क्वारेंटाइन का नतीजा ये हुआ कि उन जिलों में कोरोना वायरस बेकाबू नहीं हो सका। उदयपुर, डूंगरपुर, चित्तौडगढ़, पाली, नागौर, करौली और अजमेर वे जिले हैं, जहां सर्वाधिक लोगों को होम क्वारेंटाइन किया गया। डूंगरपुर, पाली और करौली तो कोरोना मुक्त भी हो चुके हैं। यहां अब एक भी रोगी नहीं है। उदयपुर में करीब एक हफ्ते पहले दो दिन में 4 रोगी सामने आए थे। वहां उसके बाद से कोई नया रोगी नहीं आया। नागौर में बासनी, परबतसर थाने और लाडनूं के अलावा जिला मुख्यालय पर एक भी पॉजिटिव नहीं है। उदयपुर में सबसे लोगों को होम क्वारेंटाइन किया गया। यहां 80 हजार 786 लोगों को होम क्वारेंटाइन किया। डूंगरपुर में 51 हजार 43 लोगों को होम क्वारेंटाइन किया गया। सबसे कम धौलपुर में सिर्फ 165 लोगों को ही होम क्वारेंटाइन किया गया है। राजधानी जयपुर में जहां सर्वाधिक कोरोना पॉजिटिव हैं वहां केवल 14 हजार 689 लोगों को ही होम क्वारेंटाइन किया गया है। इसका नतीजा सबके सामने है। अकेले जयपुर के रामगंज में ही 510 से ज्यादा पॉजिटिव केस सामने आ चुके हैं। यही हाल जोधपुर और कोटा जैसे शहरों का है। जोधपुर में अब तक केवल 1416 लोगों को होम क्वारेंटाइन किया गया वहीं कोटा में 10 हजार 287 लोगों को होम क्वारेंटाइन किया गया है जिसके नतीजे सकारात्मक आ रहे है।

एक मरीज ने की सीएम हेल्पलाइन में शिकायत कोरोना मरीजों के वार्ड में नारकीय माहौल

जबलपुर। शहर में कोरोना पीडितों की संख्या बढ़ती ही जा रही है, एक तरफ कोरोना संक्रमितों की संख्या बढ़ती जा रही है दूसरी तरफ जावेद जैसी रोगियों के भागने के बावजूद चिकित्सा सेवाओं में लापरवाही बरती जा रही है। मेडिकल में कोरोना वार्ड में साफ–सफाई और दवाओं के साथ उपचार में लापरवाही को लेकर पीडितों द्वारा सीएम हेल्पलाईन में शिकायत की गई है।

224 सैंपलों की हुई जांच

आईसीएमआर लैब से सोमवार को कुल 224 में से दिन में 87 संेपलों की रिपोर्ट आई जबकि देर रात 137 सेम्पल की परीक्षण रिपोर्ट और प्राप्त हुई। दिन में आईसीएमआर से प्राप्त सेम्पल रिपोर्ट में पाटन के वार्ड क्रमांक पांच चौधरी मोहल्ला निवासी मनोज चौरसिया उम्र 46 वर्ष की रिपोर्ट पाजिटिव आई जबकि देर रात सी–104 लेमा गार्डन, गोहलपुर निवासी अनुजा यादव उम्र 23 बर्ष को कोरोना पॉजिटिव पाया गया है। शेष रिपोट्र्स परीक्षण में निगेटिव पाई गई हैं। इस तरह 70 पॉजिटव हो गई। आईपीएस अमित सिंह की रिपोर्ट भी नेगेटिव आई हैं। बताते हैं दोनों पॉजिटिव पाए गए मरीजों के घर के आसपास के क्षेत्र को कंटेनमेंट एरिया घोषित कर दिया गया है, इसके अलावा उनके परिजन व संपर्क में आए लोगों को भी क्वारेंटाइन कर सेम्पल जांच के लिए भेजे गए है।

30 मरीजों के लिए एक टॉयलेट, सफाई भी नहीं होती

नेताजी सुभाषचंद्र बोस मेडिकल कॉलेज अस्पताल के कोरोना वार्ड में नारकीय माहौल है, जिम्मेदारों से इस संबंध में शिकायत के बावजूद भी कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है। कोरोना संक्रमित रामपुर निवासी ऐ के गुहा ने यह आरोप लगाते हुए इस संबंध में शिकायत सीएम हेल्पलाईन में की है। वार्ड में दवाईयां न मिलने एवं चिकित्सा सुविधा मिलने में असुविधा संबंधी आपातकालीन सेवा कोविड–19 में लापरवाही बरतने के संबंध में की गई शिकायत में श्री गुहा ने गंभीर आरोप लगाए। शिकायत में कोरोना मरीज ऐ के गुहा ने बताया की मेडिकल अस्पताल में टॉयलेट सम्बन्धी व्यवस्थाएं ठीक नहीं हैं, टॉयलेट की कई दिनों से सफाई नहीं हो रही है। टॉयलेट का फ्लशिंग सिस्टम खराब हैं, जिससे पूरे वार्ड में बदबू आती रहती है। आलम ये है कि डॉक्टर्स विजिट पर नहीं आ रहे ,दवाइयाँ भी स्वीपर द्वारा पहुंचाई जा रही हैं। शिकायतकर्ता श्री गुहा ने यह भी कहा कि विगत 6 दिनो से सुधार न होने पर उन्हें सीएम हेल्पलाईन में शिकायत करने विवश होना पड़ा। उन्होंने बताया कि टॉइलेट का उपयोग 30 लोगो द्वारा किया जा रहा है। स्वीपर डेली साफ सफाई नही कर रहे हैं। सिर्फ पीजी छात्रों का शिफ्ट मे काम करवाते है और सीनियर डाक्टर बाहर ही बाहर साइन करके भाग जाते हैं, आज तक एक भी सीनियर डाक्टर पूछताछ करने नही आया है। सीएम हेल्पलाईन की ओर से शिकायत कर्ता की बात जिले को लीड कर रहे कलेक्टर तक पहुँचाने के लिये कहा गया।

लापरवाही पर होगी कार्रवाई

कोरोना वार्ड में जो लापरवाही बरत रहे हैं उन्हें बक्शा नहीं जाएगा, कोरोना संक्रमित रोगियों के वार्ड में साफ सफाई या उपचार में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

शराब तस्करी में लिप्त 10 गिरफ्तार

जबलपुर। कोरोना वायरस को लेकर जारी लॉक डाउन में नियमों को लेकर पुलिस की सख्ती तेज हो गई है। 21 मार्च से लेकर अब तक पुलिस ने कुल 1598 लोगों पर धारा 188, 269, और 270 के तहत कार्रवाई की है। इसके अलावा पुलिस ने दस शराब तस्करों को भी दबोचा है और 118 लीटर शराब जब्त की है।

घमापुर थाना – थाना घमापुर पुलिस ने खुफिया सूचना पर कार्रवाई करते हुये रामहरक बगीचा में कुचबंधिया मोहल्ला निवासी जैकी कुचबंधिया को 4 लीटर कच्ची शराब के साथ दबोचा है।

बरगी थाना – बरगी थाना पुलिस ने 27 अप्रेल को खुफिया सूचना पर कार्रवाई करते हुये ग्राम समद पिपरिया में संजू बर्मन नामक को पकड़कर एक कुप्पी में 5 लीटर कच्ची शराब जब्त की है।

थाना खमरिया – खमरिया थाना पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर कारवाई करते हुये 26 अप्रेल को रात में करीब 9 बजे जाँच के दौरान इंडिका क्रमांक एमपी 20 पीए 0052 को

रोका तो उसमें अब्दुल हमीद निवासी गा्रम घाना मिला। हमीद अपने पास एक डोलची में 1 लीटर एवं एक बॉटल में 2 लीटर कुल मिलाकर 3 लीटर कच्ची शराब रखे था।

थाना बेलबाग– बेलबाग थाना पुलिस को विश्वसनीय सूत्रों से खबर मिली थी कि कंजड मोहल्ला में साधना जाट कच्ची शराब बेच रही है। पुलिस ने घेराबंदी कर साधना जाट को पकड़ा तो उसके कब्जे से 10 लीटर कच्ची शराब और बिक्री के 1000 रूपये बरामद हुये।

थाना चरगवां–ग्रामीण क्षेत्र के थाना चरगवां की पुलिस को यह जानकारी लगी थी कि अहमदपुर के पास कोई शराब बेच रहा है। छापा मारकर सुरेन्द्र राजपूत को पक ड़ा गया तो उसके पास 5 लीटर कच्ची शराब मिली।

बेलखेड़ा थाना–थाना बेलखेड़ा पुलिस ने कार्रवाई करते हुये मेरेगांव में पंचू मेहरा सुंदरादेही को पकड़कर उससे 6 लीटर कच्ची शराब जब्त की।

थाना घमापुर–घमापुर पुलिस ने 27 अप्रेल को कुचबंधिया मोहल्ला में छापा मारकर झिन्नी बाई कुचबंधिया को पकड़कर 4 लीटर कच्ची शराब जब्त की है।

थाना गोसलपुर–थाना गोसलपुर पुलिस ने खुफिया सूचना पर कार्रवाई करते हुये जुझारी में सुरेन्द्र कुचबंधिया को दबोचकर उसके कब्जे से 10 लीटर कच्ची शराब जब्त की है।

थाना तिलवारा–थाना तिलवारा पुलिस ने खुफिया सूचना पर कार्रवाई करते हुये रमनगरा में नर्मदा पुल के पास कार्रवाई करते हुये दीपक साहू को दबोचकर उसके कब्जे से एक कुप्पी में 6 लीटर कच्ची शराब जब्त की है।

थाना बरगी–बरगी थाना पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुये 27 अप्रेल को दोपहर में दिलीप गौंड़ निवासी खापा को पकड़कर उसके पास से 5 लीटर कच्ची शराब जब्त की है।

पुलिस ने उक्त सभी शराब तस्करों पर आबकारी की धारा 34 एवं धारा 188 के तहत कार्वा की है।

विवाहिता ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

ग्वालियर। देहात के चीनोर थाना क्षेत्र के ग्राम बेरनी में एक विवाहिता ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, ललिता (25) पत्नी मुलायम सिंह बघेल निवासी ग्राम बेरनी ने घर के जे कमरे में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। देर तक जब बहू कमरे से बाहर नहीं निकली तो परिजनों ने महिला के कमरे का दरवाजा खटखटाया। उन्होंने कमरे के अंदर झांककर देखा तो बहू को लटका हुआ देखकर चीख निकल गई। इसके बादपुलिस को सूचित किया। सूचना मिलने पर पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और महिला के शव को उतरवाकर पीएम के लिए भितरवार के सामुदायिक अस्पताल भिजवाया।पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।

इनामी हत्या का आरोपी गिरफ्तार

भिंड। जिले की अटेर थाना पुलिस ने हत्या के एक 10000 के इनामी आरोपी को गिरफ्तार किया है! जानकारी के अनुसार अप्रैल 2019 में सोनू तोमर की बेताल सिंह ने हत्या कर दी थी उसके बाद से वह फरार था! पुलिस ने आरोपी बेताल सिंह पर 10000 का इनाम घोषित किया था बीते रोज अटेर पुलिस

ने मुखबिर की सूचना पर खेड़ा मैदाना गांव में दबिश देकर बेताल सिंह को गिरफ्तार कर लिया है!

सिगरेट पीती लड़कियों का वीडियो वायरल – कोरोना फाइटर्स के खिलाफ छेड़छाड़ की शिकायत

जबलपुर,ग्वारीघाट क्षेत्र में कोरोना फाइटर्स द्वारा स्कूटर सवार लड़कियों को बिना मास्क लगाए सिगरेट पीते हुए वीडियो बनाकर वायरल करना मंहगा पड़ा गया है। फाइटर्स द्वारा दी गई सीख तो कोई काम नहीं आई, बल्कि दोनों लड़कियों ने थाना पहुंचकर कोरोना फाइटर्स के खिलाफ छेड़छाड़ की शिकायत दर्ज करा दी, जिसपर पुलिस ने दो कोरोना फाइटर्स के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर जांच शुरु कर दी है।

बताया जाता है कि ग्वारीघाट विसर्जन कुण्ड के पास कोरोना फाइटर्स अब्बास कुरैशी व सुरेन्द्र उर्फ सुल्तान लोधी कुछ महिला कोरोना फाइटर्स के साथ ड्यूटी कर रहे थे, इस दौरान दो लड़कियां स्कूटर पर बिना मास्क लगाए आते देखी गईं, जिसमें पीछे बैठी लड़की सिगरेट पी रही थी, दोनों को कोरोना फाइटर्स ने बिना मास्क लगाए घूमने पर समझाइश देते हुए वीडियो बना लिया, जिसे बाद में सोशल मीडिया वाट्सएप पर वायरल कर दिया गया। लड़कियों में समझाइश का कितना असर हुआ यह तो नहीं पता लेकिन दोनों ने थाने पहुंचकर कोरोना फाइटर्स अब्बास व सुल्तान के खिलाफ छेड़छाड़ किए जाने की शिकायत दर्ज कराई और कहा कि कोरोना फाईटर्स ने उनके साथ बुरा व्यवहा किया है।

प्रकरण दर्ज होने से कोरोना फाईटर्स में हड़कम्प मच गया, छेडछाड़ के आरोपी दोनों कोरोना फा. इटर्स का कहना था कि लड़कियों के साथ न कोई बदसलूकी की गई है, न ही छेड़छाड़, बल्कि उन्हे समझाइश दी गई है, वीडियों में यह बात साफ तौर पर देखी जा सकती है, इसके बाद भी लड़कियों ने झूठी रिपोर्ट दर्ज करा दी।

सीमाएं तो लांघ रहे हैं

शहर में पुलिस की सहायता के लिये तैनात किये गये कोरोना फाईटर्स सीमाएं तो लांघ रहे हैं चैक पोस्ट पर लोगों से तेज आवाज में बात करना और अचानक लाठी चला देना इनकी आदत बन गया है। किसी को रोककर इस तरह पूछताछ करते हैं जैसे पुलिस किसी अपराधी से करती है।

नाबालिग आरोपी गिरफ्तार निर्माणाधीन मकान में बालक के साथ दुष्कृत्य..!

जबलपुर,। लॉक डाउन के दौरान बच्चे अपने घरों के आसपास ही खेलते रहते हैं ताकि उनका समय कट जाए, लेकिन ये बच्चे अब घर के आसपास भी सुरक्षित नहीं हैं। लॉक डाउन के दौरान शहर में एक बालक के साथ दुष्कृत्य करने का मामला प्रकाश में आया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार बेलबाग क्षेत्र में घर के सामने खेल रहे 9 वर्षीय बालक को एक किशोर अपने साथ निर्माणाधीन मकान में ले गया, जहां पर धमकी देते हुए उसके साथ दुष्कृत्य किया, इसके बाद बदनाम करने की धमकी देते हुए आए दिन यह कृत्य करता रहा। पीडित बालक ने मां के साथ थाना पहुंचकर पुलिस को घटना की जानकारी दी, जिसपर पुलिस ने आरोपी किशोर के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर लिया ह।

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार बेलबाग क्षेत्र में रहने वाला 9 वर्षीय बालक बच्चों के 24 अप्रेल को घर के पास ही खेल रहा था, इस दौरान मोहल्ला का एक नाबालिग सचिन (परिवर्तित नाम) आया और पकड़कर अपने साथ निर्माणाधीन मकान में ले गया, जहां पर बालक के साथ मारपीट करते हुए दुष्कृत्य किया, इसके बाद बालक को धमकी देते हुए लगातार दुष्कृत्य करता रहा, बीती दोपहर बालक को तकलीफ होने लगी तो उसने अपनी मां को नाबालिग द्वारा किए गए कृत्य की जानकारी दी।

जिससे मां सहित परिवार के अन्य लोग आक्रोशित हो गए, जिन्होंने थाना पहुंचकर पुलिस को घटना की जानकारी दी, पुलिस ने मामले में नाबालिग के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर हिरासत में ले लिया, वहीं बालक की हालत को देखते हुए शासकीय अस्पताल में उपचार कराया। लॉक डाउन तोडने पर अब तक 1598 पर कार्रवाई

इन्दौर में 165 नए पॉजिटिव,1372 पर पहुंचा आंकड़ा 820 नमूनों की जॉच रिपोर्ट आई, 655 नमूने नेगेटिव मिले ::

इन्दौर । मध्यप्रदेश में कोरोना के सबसे बड़े हॉट स्पॉट इन्दौर में सोमवार रात आई रिपोर्ट के अनुसार 165 नए मरीज पॉजिटिव पाए गए हैं। इन्हें मिलाकर अब तक यहां कोरोना पॉजिटिव मरीजों का कुल आंकड़ा 1372 पहुंच गया है, जबकि वर्तमान में 1189 कोरोना संक्रमित व्यक्ति शहर के विभिन्न अस्पतालों में उपचार करा रहे है। सोमवार को तीन मरीजों ने दम तोड़ दिया, इसे अब तक इन्दौर में 63 मरीजों की मौत हो चुकी है। मृतकों में आजाद नगर की 60 वर्षीय महिला सलमा बी. साबिर खान, नेमी नगर के सुनील पाटनी (60 वर्ष) व नंदा नगर के अब्दल रशीद (63 वर्ष) शामिल है, जो क्रमशः एमटीएच, सिनर्जी व गोकुलदास अस्पताल में भर्ती थे।

सीएमएचओ कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार सोमवार को 820 नमूने जॉचे गए, उनमें से 655 की रिपोर्ट नेगेटिव प्राप्त हुई, जबकि 165 नए मामलों में कोविड 19 की पुष्टि हुई है।उल्लेखनीय है कि अब तक 6712 सैम्पल जॉचे जा चुके है। सोमवार को 11 मरीजों को स्वस्थ होने पर अस्पतालों से डिस्चार्ज किया गया, इसको मिलाकर अब तक 134 मरीज स्वस्थ होकर डिस्चार्ज हो चुके है। सोमवार को 42 लोगों को संस्थागत क्वारेंटाइन (मैरिज गार्डन/होस्टल आदि) से डिस्चार्ज किया गया, जिससे अब संस्थागन क्वारेंटाइन में मौजूद व्यक्तियों की संख्या 1017 हो गई है। कोरोना से मृत्यु पर जेलकर्मियों को भी शासन

50 लाख का मुआवजा देगा

भोपाल । जेलों में तेजी से फैल रहे कोरोना वायरस के संक्रमण को देखते हुए शासन ने पुलिस की तर्ज पर अब जेल में कार्यरत अधिकारियों और कर्मचारियों का भी बीमा करा लिया है। किसी भी जेलकर्मी की कोरोना वायरस से पीडित होने पर मृत्यु के उपरांत उसके परिजन को 50 लाख रुपए की आर्थिक सहायता का लाभ दिया जाएगा।

कोरोना वायरस का संक्रमण जिस तरह फैल रहा है उससे निपट रहे पुलिसकर्मी भी इसकी चपेट में आ रहे हैं। अब तक इंदौर और उज्जैन के दो थाना प्रभारी कोरोना वायरस के संक्रमण के चलते जान गंवा चुके हैं। शासन ने पुलिसकर्मियों को कोरोना वायरस से मृत्यु होने पर 50 लाख रुपए की सहायता देने का निर्णय लिया है। पुलिस के पश्चात प्रदेश की जेलों में कार्यरत अधिकारी और जवानों के साथ–साथ जेल के स्टाफ ने भी पुलिस की तर्ज पर जेलकर्मियों को इसी तरह की आर्थिक सहायता किसी भी जेलकर्मी की मृत्यु होने पर देने की मांग की थी। शासन ने जेलकर्मियों की उक्त मांग को मान लिया है और अब अगर जेल में कार्यरत किसी अधिकारी, जवान या कर्मचारी की कोरोना से मृत्यु होती है तो उनके परिजन को 50 लाख रुपए की आर्थिक सहायता दी जाएगी। जेल मुख्यालय ने कल यह आदेश सभी जेलों के लिए जारी कर दिया है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

प्रसंगतः कर्म का पाठ

दो भाई एक ज्योतिषी के पास गए। ज्योतिषी बड़ा अनुभवी था। उसने छोटे भाई से कहा, 'तुम्हें जल्दी ही राजगद्दी मिलने वाली है। तुम राजा बनोगे।' बड़े भाई से ज्योतिषी ने कहा, 'सावधान रहना। कोई बड़ी आफत आने वाली है।' एक बहुत खुश हुआ, दूसरा उदास हो गया। दोनों घर आ गए। बड़े भाई ने सोचा कि अगर विपत्ति आने वाली है तो क्यों न मैं पहले से ही संभल जाऊं। वह पूरी तरह जागरूक हो गया। छोटे भाई ने सोचा, 'अब चिंता की क्या बात है। राजगद्दी मिलने वाली है।' जिंदगी में जितने व्यसन थे, उसने उसमें और इजाफा कर दिया। बुरे कामों पर धन लुटाना शुरू कर दिया। वह दिन-रात नशे में धुत रहने लगा। अचानक एक दिन उस राज्य के राजा का पुत्र चल बसा। उसका कोई वारिस नहीं था। राजा ने सोचा कि वह चूंकि बूढ़ा हो चुका है, इसलिए भविष्य की कोई व्यवस्था करनी चाहिए। राजा ने योग्य उत्तराधिकारी की परीक्षा करने के लिए ढिंढोरा पिटवाया। दोनों भाई भी परीक्षा में शामिल हुए। परीक्षा में बड़ा भाई उत्तीर्ण हो गया। जब बड़ा भाई राजा बना तो छोटे को यह बात बड़ी अजीब लगी। वह भागा-भागा ज्योतिषी के पास आया। उसने कहा, 'आपने तो उलटी बात बता दी।' ज्योतिषी ने कहा, 'मैंने उलटी बात नहीं बताई थी। ठीक बताई थी। मुझे बताओ कि मेरी भविष्यवाणी के बाद तुम दोनों ने क्या-क्या किया?' बड़े भाई ने दोनों की राम कहानी सुनाई। ज्योतिषी ने कहा, 'अब बताओ इसमें मेरी भविष्यवाणी का क्या दोष? मैंने अपने आकलन के आधार पर जो ठीक समझा वह बताया। तुम ने बुरा आचरण किया। तुम्हें राज्य मिलने वाला था, किंतु बुरे आचरण के कारण स्थितियां बदल गईं। तुम्हारे बड़े भाई पर विपत्ति आने वाली थी किंतु इसने इतना अच्छा आचरण किया तो विपत्ति समाप्त हो गई और इसने राजा का पद प्राप्त किया। जैसा बोओगे वैसा ही काटोगे। भाग्य उन्हीं का साथ देता है जो अच्छे कर्म करते हैं।'

आज का इतिहास 29 अप्रैल

1506 इंग्लैंड और नीदरलैंड के बीच व्‍यापारिक समझौता हुआआ.
1639 लाल किला की आधारशिला रखी गई.
1849 राजा रवि वर्मा का जन्म हुआ.
1901 जापान नरेश हिरोहितो का जन्म हुआ.
1954 भारत ने तिब्बत को चीनी क्षेत्र के रूप में मान्यता दी.
1965 आस्ट्रेलिया ने दक्षिण वियतनाम में फौजें भेजने का फैसला किया.
1979 प्रसिद्ध क्रांतिकारी राजा महेन्द्र प्रताप का निधन हुआ.
1990 बर्लिन की दीवार का सबसे महत्वपूर्ण भाग गिरा दिया गया.
1991 सोवियत जार्जिया में भूकम्प से सैकड़ों लोग हताहत हुए.
1993 कोस्टरिका में सुप्रीम कोर्ट के बंधक बनाए गये 18 न्यायधीशों को सुरक्षाबलों ने रिहा कराया.
2001 कश्मीर में उग्रवादी हिंसा में 11 सुरक्षाकर्मियों सहित 33 मरे.
2004 रिलायंस कंपनी एक अरब अमेरिकी डॉलर का मुनाफा कमाने वाली पहली भारतीय निजी कंपनी बनी.

पीरियड्स के दर्द में राहत दिलाएंगे ये घरेलू उपाय

अक्सर महिलाएं हर महीने होने वाले पीरियड्स के दर्द से परेशान रहती हैं। इस दर्द से राहत पाने के लिए वो कभी पेनकिलर का भी सहारा लेती हैं। अगर आप भी दर्द से राहत पाने के लिए पेनकिलर लेती हैं तो सावधान हो जायें। ये आपकी सेहत को नुकसान पहुंचा सकते हैं। ऐसे में जानते हैं 5 ऐसे आसान घरेलू उपाय जो आपको हर महीने आने वाले इस दर्द से राहत पहुंचा सकते हैं।

तेजपत्ता

बहुत कम ही लोगों को पता होता है कि तेजपत्ता पीरियड्स के दर्द के अलावा सेहत से जुड़ी आपकी कई परेशानियों को खत्म कर सकता है। बता दें, महावारी के दौरान होने वाले दर्द को दूर करने के लिए कई महिलाएं इसका इस्तेमाल करती हैं।

हॉट बैग

अगर पीरियड्स के दौरान आपके पेट में बहुत दर्द हो रहा है तो आप राहत पाने के लिए हॉट बैग का इस्तेमाल कर सकती हैं। इसके लिए आपको हॉट बैग पेट के उस हिस्से पर रखना है जहां आप दर्द महसूस कर रही हों।

कैफीन से करें परहेज

कैफीन का अधिक सेवन शरीर में एसिडिटी की संभावना बढ़ा देता है। इसकी वजह से भी आपको परेशानी हो सकती है। ऐसे में इस खास समय कैफीन का सेवन कम करें।

नमक से बनाएं थोड़ी दूरी

पीरियड्स में ब्लॉटिंग होना स्वाभाविक बात है। ऐसे में अगर आप पीरियड्स से कुछ समय पहले ही नमक का सेवन कम कर देती हैं तो आपकी किडनी को अत्यधिक पानी निकालने में मदद मिलने के साथ आपको दर्द में भी राहत मिलेगी।

तले भोजन से करें परहेज

महावारी के दौरान होने वाले दर्द को कम करने के लिए सबसे पहले खाने पर थोड़ा नियंत्रण करें। इस समय खास तौर पर तले भोजन से परहेज करें। हरी सब्जियों के साथ फल भी आहार में शामिल करें।

व्यायाम करें

अपने डेली रूटीन में हल्के व्यायाम को शामिल करने से आपको दर्द में राहत मिलेगी। व्यायाम करने से आपकी ब्लॉटिंग की समस्या कम हो जाएगी। ब्लॉटिंग की वजह से ही दर्द महसूस होता है। ऐसे में हल्का व्यायाम करने से आप राहत का अनुभव करेंगी।

लॉफिंग जोन

नई दुल्हन के हाथ का खाना पति ने पहली बार खाया। मिर्चे अधिक तेज थीं फिर भी वह बात बिगाडना नहीं चाहता था।

पति– 'खाना बहुत अच्छा बनाया है।'

पत्नी–'लेकिन आप रो क्यों रहे हैं?'

पति–'खुशी के कारण।'

पत्नी–'और दूं?'

पति–'नहीं, मैं ज्यादा खुशी बर्दाश्त नहीं कर पाऊंगा।'

□ □ □

गृहणी ने कहा– 'रामू,आज तुमने बहुत कीमती फूलदान तोड दिया। आज के बाद ऐसी गलती की तो मार मार कर सिर गंजा कर दूंगी। समझे?

'जी समझ गया।'

'क्या समझे?'

यही कि मालिक भी किसी ऐसी ही गलती का अंजाम भुगत रहे हैं।'

□ □ □

एक युवती ने अपनी सहेली की मृत्यु का दुःख व्यक्त करते हुए कहा, तीन महीने हो गए मेरी सहेली का देहांत हुए, पर मेरा दिल ही नही लगता। आप उसकी कोई प्रिय वस्तु मुझे दे दीजिए, उसे ही सीने से लगाकर मन बहला लिया करूंगी।

मृतक के पति का जवाब था, जी उसकी प्रिय वस्तु मैं ही हूं।

अनार से पायें बेदाग त्वचा

अनार के इस्तेमाल से भी आप खूबसूरत, दमकती और बेदाग त्वचा पा सकती हैं। अनार एक बेहतरीन एंटी–एजिंग एजेंट भी है, जो बढ़ती उम्र के लक्षणों को हावी नहीं होने देता है। अनार के फेस मास्क से आप निखरी, बेदाग त्वचा पा सकेंगी।

अनार और शहद का मास्क:

अनार के दानों को पीसकर पेस्ट तैयार कर लें। इस पेस्ट में एक चम्मच शहद मिला लें। इस पेस्ट को पूरे चेहरे और गर्दन पर अच्छी तरह लगा लें। कुछ देर इसे सूखने के लिए छोड़ दें जब ये सूखने लगे तो हल्के गुनगुने पानी से चेहरा साफ कर लें। चेहरे की चमक आपको साफ नजर आएगी।

अनार और दही का मास्क:

बेदाग त्वचा पाने का ये सबसे अच्छा उपाय है। अनार के कुछ दानों को पीसकर उसमें दही मिला लें। इस पेस्ट को चेहरे पर लगाकर कुछ देर के लिए छोड़ दें। कुछ देर बार चेहरे को साफ पानी से धो लें। फर्क आपको साफ नजर आएगा।

अनार और नींबू का पैक:

नींबू में विटामिन सी भरपूर मात्रा में पाया जाता है। वहीं अनार, एंटी–ऑक्सीडेंट के गुणों से युक्त होता है। इन दोनों का मिश्रण त्वचा पर निखार लाने का काम करता है। अनार के दानों को पीसकर उसका एक पेस्ट बना लें और उसमें नींबू का रस मिलाकर चेहरे पर लगाएं। कुछ देर बाद चेहरे को साफ पानी से धो लें।

अनार और ग्रीन टी का मास्क:

त्वचा पर निखार के लिए आप चाहें तो अनार और ग्रीन टी का भी इस्तेमाल कर सकते हैं। ग्रीन टी और अनार के दानों से तैयार मास्क आपके लिए बहुत फायदेमंद रहेगा।

अनार और ओटमील का पेस्ट:

अनार और ओटमील का मिश्रण भी निखार लाने का एक बेहतरीन उपाय है। इससे त्वचा पर निखार तो आता है ही, साथ ही डेड स्किन हट जाने से ये नरम भी बनती है।

फिल्म वर्ग पहेली- 4996

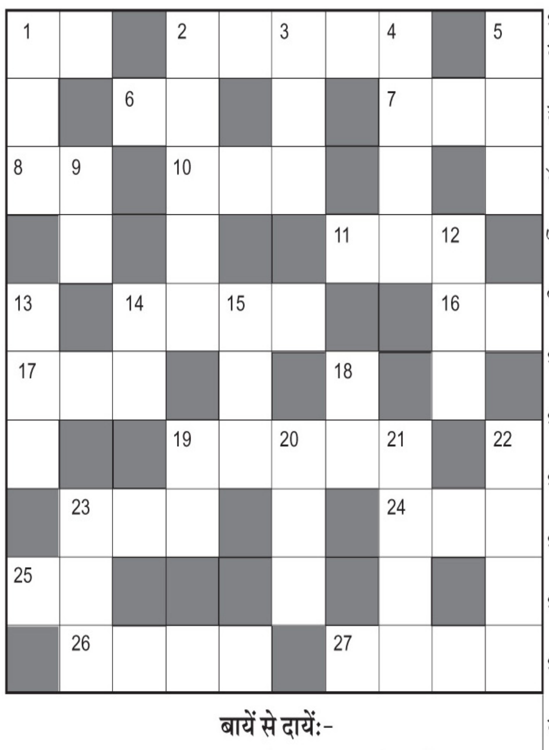

ऊपर से नीचे:-

१. संजीवकुमार, शबाना आजमी की फिल्म-३
२. देवआनंद, वहीदा रहमान की 'रंगीला रे तेरे रंग में' गीत वाली फिल्म-२,३
३. 'कितना बेचैन होके' गीत वाली आफ ताब, लिसा रे की फिल्म-३
४. फिल्म 'रफूचक्कर' में ऋषिकपूर के साथ नायिका कौन थी?-२,२
५. फिल्म 'छैला बाबू' में राजेश खन्ना के साथ नायिका कौन थी?-३
९. अमिताभ, रितिक, प्रीती जिंटा की 'अगर मैं कहूँ' गीत वाली फिल्म-२
१२. 'तुम रूठ के मत जाना' गीत वाली भारतभूषण, मधुबाला की फिल्म-३
१३. किशोर कुमार, चाँद उस्मानी की 'छोटा सा घर होगा' गीत वाली फिल्म-३
१४. 'दिल मेरा अकेला' गीत वाली आमिर, फैजल, टिवंकल की फिल्म-२
१५. फरदीनखान, उर्मिला की 'दो प्यार करने वाले' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'तेरे प्यार का छाया नशा' गीत वाली आफताब, युक्ता मुखी की फिल्म-२
१९. फिल्म 'काश आप हमारे होते' का नायक कौन है?-२
२०. मिथुन चक्रवर्ती, टीना मुनीम की 'तुम सा नहीं देखा' गीत वाली फिल्म-३
२१. 'ये लड़की जरा सी' गीत वाली कुमार गौरव, विजेयता पंडित की फिल्म-२,२
२२. मिथुन चक्रवर्ती, ऋतुपर्णा की 'गोरे रंग का जमाना' गीत वाली फिल्म-४
२३. 'मिर्ची ये मिर्ची' गीत वाली फिल्म-३

बायें से दायें:-

१. फरदीन, करीना की अमिताभ बच्चन की शीर्षक भूमिका वाली फिल्म-२
२. 'चल दरिया में डूब' गीत वाली राजेश खन्ना, हेमा, मुमताज की फिल्म-२,३
६. करणनाथ, मनीषा, नतान्या की 'दिल तो उड़ने लगा' गीत वाली फिल्म-२
७. 'बाहर है प्रॉबलम' गीत वाली अमृता सिंह, अमिताभ, मीनाक्षी की फिल्म-३
८. अनिलकपूर, अक्षय, ऐश्वर्या की 'इस टूटे दिल की पीर' गीत वाली फिल्म-२
१०. 'सुनता है मेरा खुदा' गीत वाली अनिलकपूर, माधुरी की फिल्म-३
११. जीतेंद्र, श्रीदेवी की 'गोरी तेरे अंग अंग में' गीत वाली फिल्म-३
१४. 'बोल बेबी बोल' गीत वाली अनिलकपूर, मीनाक्षी की फिल्म-२,२
१६. बॉबी देओल, मनीषा, काजोल की 'दुनिया हसीनों का मेला' गीत वाली फिल्म-२
१७. 'कोई माने या ना माने' गीत वाली फिरोजखान, रेखा की फिल्म-३
१९. देवआनंद, वहीदा की 'है अपना दिल तो आवारा' गीत वाली फिल्म-३,२
२३. 'गिर गया झुमका' गीत वाली धर्मेन्द्र, हेमा मालिनी की फिल्म-३
२४. फिल्म 'तीसरी कसम' में राजकपूर के साथ नायिका कौन थी?-३
२५. प्राण, नवीन निश्चल, रेखा की 'ना सतरा से ऊपर' गीत वाली फिल्म-२
२६. 'तुझे प्यार करते करते' गीत वाली अजय देवगन, जूही की फिल्म-४
२७. अजय देवगन, रानी मुखर्जी की 'ना ना मेहंदी ना मुझको लगाना' गीत वाली फिल्म-२,२

फिल्म वर्ग पहेली- 4995

Jagrutidaur.com, Bangalore

गर्मी में स्टाइलिश लुक के लिए पहनें खादी

गर्मी में स्टाइलिश लुक के लिए पहनें खादी

खादी ऐसा मैटेरियल है जो आप हर मौसम में पहन सकती हैं। खास तौर से गर्मियों में हर कोई ऐसे कपड़े पहनना चाहता है, जो आरामदेह और शीतलता प्रदान करने के साथ ही स्टाइलिश भी हों। अगर आप भी अपने लिए आराम और स्टाइल की तलाश कर रही हैं तो खादी से बेहतर विकल्प और कुछ नहीं है।

फैशन के रोजाना बदलते ट्रेंड में खादी फैब्रिक्स की खासी मांग है। इसमें पैच, कांथा, फुलकारी वर्क और ब्लॉक प्रिंटिंग जैसे कई वरायटीज वाले आउटफिट्स इन दिनों ट्रेंड में हैं। प्रिंट्स और डिजाइंस से अलग प्लेन खादी ड्रेस भी यूनीक लुक देती है। साड़ी और सलवार–सूट्स से अलग अब शर्ट, पैंट और स्कट्र्स में भी कई तरह के कट्स और पैर्टंस में आउटफिट्स देखे जा सकते हैं।

हर अंदाज में लगती है बेहतर

अलग अंदाज और स्टाइल में नजर आने के लिए स्पेगेटी टॉप को स्कर्ट या लुक पैंट्स के साथ पहना जा सकता है। खादी के क्रॉप टॉप और रैप–अराउंड स्कर्ट का का. ॅम्बो बेहद आकर्षक लगते हैं।

खास है खादी की साड़ी

खादी की हाथ से बनी साड़ी को बेहद पसंद किया जाता है। ये विभिन्न रंगों और स्टाइल में मिलती हैं। मॉडर्न लुक के लिए जरदोंजी की कढ़ाई और ब्लॉक प्रिंट वाली साड़ी चुनें। रंगीन प्लेन साड़ी को कढ़ाईदार शर्ट ब्लाउज के साथ भी पहन सकती हैं, जो आपको एकदम नया लुक देगी।

खादी के कुर्ते देते हैं सोबर लुक

गर्मियों के मौसम में सहज महसूस करना चाहती हैं तो खादी के कुर्ते या शॉर्ट ड्रेस पहन सकती हैं। गले पर बढ़िया कढ़ाई वाली कुर्ती के साथ कुछ आभूषण भी पहन सकती हैं,

ये भी आजमायें

गहरे रंग के स्कार्फ या दुपट्टे को प्लेन ड्रेस के साथ पहन सकती हैं। दुपट्टे को हलके रंग की कुर्ती के ऊपर पहनें, जिससे आप निश्चित रूप से भीड़ से अलग नजर आएंगी। खादी के शॉर्ट पैंट या श्रग भी पहन सकती हैं। शॉट्र्स पर श्रग आपको बेहद स्मार्ट लुक देगा।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भय्यूजी महाराजः 'एक विलक्षण व्यक्तित्व

(29 अप्रैल को प.पू. भय्यूजी महाराज की जंयती के अवसर पर विशेष)

''नाथ सम्प्रदाय'' के परम पूज्य, गुरुजी श्री उदय सिंह देशमुख जी जो पूरे देश में भय्यूजी महाराज के नाम से प्रख्यात थे, की जयंती (प्रकट दिवस) 29 अप्रैल को आ रही है। निश्चित रूप से ऐसे अवसर पर उनके साथ बिताए कुछ महत्वपूर्ण अनुभव व सुनहरी यादें का दिलों दिमाग और आंखों में तरोताजा हो जाना स्वभाविक ही है।

मुझे याद आता है, मेरी उनसे पहली मुलाकात मेरे पारिवारिक पत्रकार मित्र श्री अनूप दुबौलिया ने 11 वर्ष पूर्व इंदौर में करवाई थी। पहली ही मुलाकात में उनके चेहरे के तेज और आंखों के आकर्षण ने मुझे उनकी ओर आकर्षित कर दिया था। यद्यपि इसके पूर्व में कई आध्यात्मिक गुरुओं, संतो, महंतो, महाराजाओं, पंडितों, कथा प्रवचकों व धार्मिक प्रकांड ज्ञाताओं से मिलता रहा हूं। जीवन के क्रम मे सार्वजनिक, धार्मिक सामाजिक एवं राजनैतिक कार्यकमो में भागीदारी के साथ–साथ श्री रुक्मणी बालाजी मंदिर बालाजीपुरम् के प्राण प्रतिष्ठि कार्यक्रम (जिसका में संयोजक था जिसमे लाखो लोग ने भागीदारी की थी) के दौरान, चारों पीठों के शंकराचार्य गण जी, गृयत्री आंदोलन के डॉ प्रणव पंड्या जी, पू. प. अवधेशानंद जी महाराज, पूज्य डॉ. रावतपुरा सरकार, अर्जुनपुरी जी महाराज, रा. सलीला मर्मज्ञ बड़े ठाकुरजी, साध्वी ऋतम्भरा सहित अनेक संतों विद्यमानों के सानिध्य व संपर्क में रहने के सुअवसर मिले। लेकिन मुझे यह कहने में कतई संकोच नहीं है कि, पहली बार मुझे अंदर से यदि किसी आध्यात्मिक संत ने खींचा और आकर्षित किया व अंदर तक प्रेरित किया तो वे भय्यूजी महाराज ही थे। आध्यात्मिक, प्रवचन, संवाद, चर्चा व सम्पर्क के दौरान मुझे कई बार यह यह बतलाया गया था कि बिना गुरु के व्यक्ति का जीवन अधूरा है, क्योंकि मेरा कोई गुरु नहीं था। स्पष्ट रूप से मैं यदि यह स्वीकार करूं कि, भय्यूजी महाराज से मिलने के पूर्व तक अनेकानेक संतो के संपर्क में आने के बावजूद भी, मेरे आंतरिक मन को किसी भी गुरु के रूप में स्वीकार करने की प्रेरणा नहीं मिली,

थी, तो गलत नहीं होगा। भैय्यूजी महाराज से मिलने के बाद और लगातार उनके जीवंत संपर्क में रहने से कुछ ऐसा महसूस होने लगा था कि यदि मुझे अपने जीवन में पूर्णता प्रदान करने के लिए किसी को गुरु बनाना ही है, तब इस इस कसौटी में मैंने भय्यूजी महाराज को ही अपने सबसे निकटतम पाया। उनका मुझ पर इतना आशीर्वाद व प्रेम था कि उन्होंने मुझे अपने ट्रस्ट में एक ट्रस्टी भी नियुक्त किया था।

आध्यात्मिक और सामाजिक क्षेत्र के श्रेष्ठतम गुरुओं को और संतों व श्रेष्ठियों को सुना है और उनसे चर्चा भी होती रही है। लेकिन मुझे इन सब से अलग भय्यूजी महाराज लगे, वह इसलिए कि उनकी संदेशों में, प्रवचनों में, बातों में आध्यात्मिक तत्व लिये हुए सामाजिक संदेश हमेशा रहता था। आध्यात्मिक गुरु सिर्फ आध्यात्म के बारे में बताते हैं, और सामाजिक श्रेष्ठि सामाजिक दृष्टिकोण से अपनी बात रखते हैं। यद्यपि उक्त दोनों तत्व समाज की सेवा ही करते हैं, लेकिन इन दोनों गूढ़ तत्वों का सर्वश्रेष्ठ संयोजन मैंने भय्यूजी महाराज में ही पाया। उनके व्यक्तित्व में इतना तेज, आंखों में सम्मोहन लिए हुए आकर्षण ऐसा था, जो व्यक्ति को अपने आप ही उनके नजदीक खींच ले जाता था। यह तभी संभव होता है, जब एक संत का निश्छल व्यक्तित्व होता है। इसी आर्कषण के कारण मैं उनकी ओ खिचता चला गया ।

उनकी सबसे बड़ी खूबी जो मैंने पाई कि वे मठाधीश समान कोई संत नहीं थे, जिनका बहुत बड़ा लंबा चैड़ा आश्रम हो। उनका कहना था ''प्रत्येक घर एक आश्रम है''। वे स्वयं के सम्मान के लिये एक माला (हार) की बजाए, एक पेड़ लगाकर उसे पूजने के लिये कहते थे। उन्होंने अपने मुख से कभी भी कोई दान की बात नहीं की। उनके शिष्य खासकर महाराष्ट्र व गुजरात से आने वाले, बिना मांगे लाखों रुपया सहायता राशि के रूप में दे जाते थे। ऐसे सहयोग से सरकारों के साथ मिलकर संयुक्त योजना के रूप में (पी.पी.माइल द्व रा) वे विकास कार्य सम्पन्न करवाते थे।

विभिन्न सामाजिक सामूहिक उत्तरदायित्व को भी वे बखूबी निभाते थे। हजारों लोगों की शिक्षा, प्रौढ़शिक्षा, कन्या विवाह, बेटी बचाओं, हरित क्रांति पारधियों का व्यस्थापन, राष्ट्र के प्रति प्रेम सम्मान व उत्तरदायित्व की भावना का प्रसार आदि आदि कार्यो का उन्होंने जिम्मा उठाया। इन सामाजिक व विकास कार्यो के बेहतरीन ढ़ंग से पारदर्शिता के साथ क्रियान्वन के लिये उन्होंने सदगुरु धार्मिक एवं परमार्थिक ट्रस्ट की स्थापना की थी। ट्रस्ट के अधीन 23 विभाग थे एवं लगभग 80 योजनाएँ चलती है। शायद इसीलिए ही वे आध्यात्मिक कम राजनीतिक,सामाजिक संत ज्यादा माने जाते थे। पूर्व राष्ट्रपति प्रतिभा पाटिल, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, संघ प्रमुख मोहन भागवत, बाल ठाकरे, लता मंगेश्कर व अन्ना हजारे से लेकर देश के प्रमुख राजनीतिक, सामाजिक, ख्कलाकारो (वे स्वयं भी कलाकार रहे व माडल का भी कार्य किया), नेताओं चाहे वह किसी भी राजनैतिक विचारधारा के ही हो, के साथ उनके आत्मीय घनिष्ठ संबंध थे। इन्ही संबंध के रहते वे जनहित में अनेक कार्य योजनाएँ और सुझाव उन नेताओं को देते थे, जिनके निष्पादित होने पर क्षेत्रीय जनता विकास की ओर अग्रेसित होती थी। इस प्रकार इन आत्मीय संबंधों का उपयोग उन्होंने सैदव सिर्फ सामाजिक न्याय के लिये ही किया। सामाजिक सुधार के वे एक अग्रदूत थे। प्रबुद्ध शिक्षित बुद्धिजीवी वर्गो के बीच उनकी लोकप्रियता शायद इसी कारण से थी। उनको राष्ट्रीय प्रसिद्धि तब मिली, जब उनके द्वारा एक वर्ष पूर्व प्रतिभा पाटिल के राष्ट्रपति बनने की घोषणा की गई थी जो बाद में साकार होकर सत्य सिद्व हुई । महाराष्ट्र की राजनीति में उनका गहरा प्रभाव था ।

एक बात और जो भैय्यूजी महाराज को अन्य आध्यात्मिक गुरुओं से थोड़ा अलग करती है वह भैय्यूजी महाराज का व्यवहारिक दृष्टिकोण (एप्रोच)। आध्यात्मिक गुरुओं के समान प्रकांड ज्ञान के ज्ञाता होने के बावजूद भैय्यूजी महाराज इस अर्थ में अन्य ज्ञानी गुरुओं से अलग थे कि, वे अपने अपार ज्ञान के भंडार से उतना ही व्यवहारिक ज्ञान श्रोताओं को देते थे जिन्हें वे श्रोता गण अपने दिमाग में स्टोर न कर उसे बाहर निकाल कर व्यवहार रूप में अपने जीवन में लागू कर कार्य रूप में परिणित कर सकें । शायद इसीलिए गुरुजी व्यवहारिक गुरु ज्यादा माने जाते थे, जिसका फायदा अंततः समाज को ही मिलता था। क्योंकि यह बात स्पष्ट है कि ज्ञान का भंडार तो असीमित हो सकता है, लेकिन यदि उसका धरातल में उपयोग नहीं हो पा रहा है तो, वह ज्ञान कोई काम का नहीं हैं। गुरुजी लोगों की स्वभाविक व्यवहारिक धरातल पर उतारने व काम करने की कठिनाई को जानते थे। कार्यशैली की यह विशेषता ही भैय्यूजी महाराज को उनके समकक्ष विद्वान, ज्ञानी आध्यात्मिक व सामाजिक श्रेष्ठीयो के बीच एक अलग विशिष्ट स्थान बनाती है ।

पीछे मुड़कर पू. गुरुजी के पृथ्वी से अपने शरीर को अचानक छोड़कर जाने के दुखद क्षण का याद आना भी स्वाभाविक ही है। मुझे याद आता है, उनके स्वर्गवासी होने के लगभग 3 महीने पूर्व बैतूल में होने वाली मेरी किताब के विमोचन कार्यक्रम के लिए मैं उनसे मिला था और मैंने उनसे विमोचन कार्यक्रम में आने के लिए अनुरोध किया था, जिसे उन्होंने स्वीकार किया था। इसमें तत्कालीन केंद्रीय मंत्री सुश्री उमा श्री भारती एवं डॉ वेद प्रताप वैदिक भी आए थे। मुझे अभी भी वे क्षण याद है, जब उन्होंने गमछा बुलाकर मेरे गले में डाल कर सम्मानित कर मुझे अभीभूत कर दिया था।

उनके द्वारा स्वयं की जीवन लीला समाप्त करने पर कई प्रश्न उठे। लेकिन मैं मानता हूं उनका ''व्यक्तित्व'' व्यक्तिगत जीवन से कई गुना ऊँचा उठा हुआ था। अभी इस समय हम महाभारत, रामायण सीरियल देख रहे हैं, जिसमें भी महान व्यक्ति भीष्म पितामह, भगवान श्री राम और भगवान श्री कृष्ण ने भी ऐसे कुछ कार्य कथन किए थे, जो सामान्य जनों की नजर में गलत थे। वे उन महान व्यक्ति के कदमो को स्वीकार नही कर पा रहें थे, लेकिन इससे उन सबका व्यक्तित्व भी गलत हो गया था, ऐसा नहीं था। क्योंकि जिस कार्य को पूरा करने के लिए वे सब (भगवान सहित) पृथ्वी पर अवतरित हुए थे, उनका अंजाम उन्होंने बखूबी किया था। इसलिए उनके कुछ समझ में न आने वाले कार्य उनके व्यक्तित्व को महान बनाने में आड़े नहीं आए। ठीक इसी प्रकार भय्यूजी महाराज ने जिन उद्देश्यों के लिए अवतरण लिया था, उसका पूरी तरह से क्रियान्वयन किया। व्यक्तिगत मानवीय कमियां, उनके विशाल कर्म योगी व्यक्तित्व के कार्य करने में आड़े नहीं आई। इस शाश्वत सत्य को तो आपको मानना ही पड़ेगा कि ईश्वर के अतिरिक्त प्रत्येक व्यक्ति या भगवान भी जो मानव के रूप में पृथ्वी पर अवतरित हुऐ है, वह सम्पूर्ण नहीं हो सकता है, उसमें कुछ न कुछ गुण या दोष की कमी अवश्य होगी ही।

अंत में पूज्य गुरु भय्यूजी महाराज की जयंती पर उन्हें सादर नमन ।

विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी निभाने पर रहता है प्रशंसकों का दबाव : राहुल

मुंबई । युवा विकेटकीपर बल्लेबाज लोकेश राहुल ने कहा है कि विकेटकीपर के तौर पर अनुभवी महेन्द्र सिंह धोनी की जगह उतरने पर दर्शकों का बेहद दबाव रहता है। राहुल के अनुसार धोनी की जगह विके. टकपिंग करने वाले से प्रशंसक उन्हीं के जैसा प्रदर्शन चाहते हैं। धोनी विश्व कप के बाद से ही टीम से बाहर हैं, ऐसे में कुछ अवसरों पर राहुल हो भी विकेटकीपिंग का अवसर मिला। राहुल ने इस साल जनवरी में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीमित ओवरों की सीरीज में विकेटकीपर की भूमिका निभाई और न्यूजीलैंड दौरे के दौरान भी उन्होंने यह जिम्मेदारी संभाली। राहुल ने एक कार्यक्रम में कहा, 'जब मैं भारत की तरफ से विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी निभा रहा था तो घबराया हुआ था क्योंकि दर्शकों का दबाव बना हुआ था। साथ ही कहा कि इस दौरान अगर आप गलती करते हैं तो लोग सोचते हैं कि आप धोनी की जगह नहीं ले सकते क्योंकि प्रशंसक आपसे काफी उम्मीदें लगाए रहते हैं।'

इस बल्लेबाज ने कहा, 'धोनी जैसे दिग्गज विकेटकीपर की जगह लेने का दबाव बहुत अधिक था, क्योंकि विकेटकीपर के रूप में किसी को स्वीकार करने पर लोगों के दिमाग में यह बात जरूर आती है।' अब तक 36 टेस्ट, 32 एकदिवसीय और 42 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेल चुके राहुल ने कहा कि विकेटकीपिंग उनके लिए नया काम नहीं है क्योंकि उन्होंने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के दौरान और अपनी रणजी टीम कर्नाटक की तरफ से पहले भी यह भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा, 'जो लोग क्रिकेट पर नजर रखते हैं वे जानते हैं कि मैं लंबे समय तक विकेटकीपिंग से दूर नहीं रहा क्योंकि मैंने आईपीएल और जब भी कर्नाटक की तरफ से खेला तब विकेट के पीछे भी जिम्मेदारी संभाली है।' राहुल ने कहा कि वह हर भूमिका के लिए तैयार रहते हैं।

भारतीय महिला क्रिकेट टीम की पूर्व कप्तान ने कहा, भारत में महिला आईपीएल अभी 'शुरुआती चरण' में

नई दिल्ली । भारतीय महिला क्रिकेट टीम की पूर्व कप्तान अंजुम चोपड़ा का मानना है कि देश में पूर्ण रूप से महिला आईपीएल का विचार अभी 'शुरुआती चरण' में है। हरमनप्रीत कौर के नेतृत्व में भारतीय टीम पिछले महिला टी20 विश्व कप के फाइनल में घरेलू दावेदार और गत विजेता आस्ट्रेलिया से हार गई थी। देश की सफल महिला क्रिकेटरो में से एक अंजुम ने कहा कि विश्व कप का खिताब जीतने से भारत में महिलाओं के खेल को लेकर पीढ़ीगत बदलाव आता। उन्होंने कहा,महिला आईपीएल अभी शुरूआती चरण में है। इसकी शुरूआत एक मैच से हुई थी। पिछले साल महिला टी20 चैलेंज में चार मैच हुए थे और इस बार सात मैच होने थे। इस मामले में प्रगति हो रही है।''

अंजुम ने कहा, अगर महिला टीम ने इस साल विश्व कप (टी20) का खिताब जीता होता तो मैचों की संख्या अधिक होती। विजेता और उपविजेता होने में काफी अंतर होता है।''एकदिवसीय मैचों का सैकड़ा पूरी करने वाली पहली महिला क्रिकेटर बनीं चोपड़ा ने छह विश्व कप में भारत का प्रतिनिधित्व किया है। उन्होंने महिलाओं के खेल को तेजी से आगे बढ़ने का श्रेय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) को भी दिया।उन्होंने कहा, आईसीसी ने भारतीय दर्शकों का भी आकलन किया है। उन्होंने कहा, टी20 विश्व कप के फाइनल को देखने के लिए मेलबर्न के मैदान में 80,000 से ज्यादा दर्शक पहुंचे। जाहिर है इससे मनोबल बढ़ेगा।

रविचंद्रन अश्विन ने माना कि 2010 के आईपीएल ने उन्हें जीवन का सबसे बड़ा सबक सिखाया

नई दिल्ली । इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में दो मैचों में खराब प्रदर्शन के बाद रविचंद्रन अश्विन को पता चल गया था कि टी–20 में गेंदबाजी करना आसान नहीं है। इस वास्तविकता ने उन्हें एक दशक पहले कड़ा सबक सिखाया था। अश्विन ने बताया कि चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) की तरफ से खेलते हुए आईपीएल 2010 ने उन्हें किस तरह से प्रभावित किया। उन्होंने आस्ट्रेलिया और इंग्लैंड की मुश्किल परिस्थितियों में खेलने पर बात की और बताया कि कि आखिर उनके स्पिन जोड़ीदार रविंद्र जडेजा 'क्यों नैसर्गिक खिलाड़ी' हैं। अश्विन ने आईपीएल 2010 को याद कर कहा कि जब दो मैचों में खराब प्रदर्शन के बाद उन्हें सीएसके की टीम से बाहर कर दिया गया। यह मेरे लिए कड़ा सबक था क्योंकि उन्हें लगता था कि स्टीफन फ्लेमिंग ने उनसे बात नहीं की और उन्हें टीम प्रबंधन का पर्याप्त समर्थन नहीं मिला था। अश्विन ने कहा,लोग सोचते थे कि मैं खुद को बहुत अच्छा गेंदबाज मानता हूं लेकिन जब आईपीएल में खेलता हूं तो इस तरह से बुरा प्रदर्शन करता हूं। यह एक तमाचे की तरह था जैसे कोई बोल रहा हो कि तुम यहां के लायक भी नहीं हो। ''

(फोटो) क्राइस्टचर्च में एक महिला गोल्फ कार्स में खेलती हुई। न्यूजीलैंड ने हाल ही में लॉकडाउन में कुछ राहत दी है।

आज का कार्टून ।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

लॉकडाउन के बीच जरूरतमंदों की सेवा में जुटे युवकों पर जानलेवा हमला, एक की मौत

सूरत । लॉकडाउन के बीच सूरत के डिंडोली क्षेत्र में जरूरतमंदों के लिए भोजन इत्यादि की व्यवस्था में लगे दो सेवाभावी युवकों ने 7 शख्सों ने जानलेवा हमला कर दिया है। इस हमले में एक युवक की घटनास्थल पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरा अस्पताल में उपचाराधीन है और उसकी भी हालत गंभीर बताई गई है। जानकारी के मुताबिक सूरत के लिंबायत–ड़िंडोली के बीच स्थित महादेवनगर में रात्रि के दौरान स्थानीय लोगों द्वारा गरीबों के लिए भोजन इत्यादि की व्यवस्था की जा रही है। उस वक्त सात शख्स अचानक वहां पहुंच गए और एक युवक से मारपीट शुरू कर दी। युवक के दोस्त द्वारा बीचबचाव करने पर उसे भी पीटने लगे और दोनों को घसीट कर निकट रेलवे ट्रेक पर ले गए। जहां दोनों पर चाकू से हमला कर दिया इस जानलेवा हमले में एक युवक की घटनास्थल पर ही मौत हो गईद्य जबकि दूसरा युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। हमले के बाद सातों शख्स मौके से फरार हो गए । गंभीर रूप से घायल युवक अस्पताल में जिंदगी और मौत के बीच झूल रहा हैद्य पुलिस ने मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू की है।

नागरवाडा में पुलिस पर हमला करने वाले 5 आरोपी कोरोना पोजिटिव

वडोदरा । कोरोना वायरस के चलते रेड जोन घोषित नागरवाडा इलाके में 26 अप्रैल को कुछ शख्सों ने पुलिस पर हमला कर पथराव किया था। इस पथराव की घटना में पुलिस ने 10 शख्सों को गिरफ्तार किया था, जिसमें से 5 आरोपी को कोरोनो पोजीटिव आयाद्य जिसके चलते एक पीएसआई समेत चार पुलिसकर्मी को होम कोरोन्टाइन किया गया ।

वडोदरा शहर में कोरोनाग्रस्त रेड जोन घोषित नागरवाडा इलाके में कासमआला कब्रस्तान के पास 26 अप्रैल को सुबह रमजान माह के चलते सहेरी का कार्यक्रम पूर्ण होने के बाद जमा लोगों को पुलिस ने घर जाने के लिए कहाद्य इस दौरान कारेलीबाग पुलिस थाने के कर्मियों के साथ कुछ शख्सों की तू–तू मैं मैं हो गईद्य हमलावरों ने पुलिस को कहा कि इधर से चले जाओ नहीं जिंदा वापस नहीं जाओगेद्य कब्रस्तान के बाहर लोगों की भीड़ नहीं हटने पर पुलिस ने बलप्रयोग करते हुए कुछ शख्सों ने पुलिस पर पथराव कर दिया जिसमें एक पुलिस कर्मी जख्मी हो गए। पुलिस ने इस मामले में 10 शख्सों को गिरफ्तार कर लियाद्य पुलिस ने 10 हमलावरों का कोरोना टेस्ट करवायाद्य जिसमें से 5 आरोपी के रिपोर्ट कोरोना पोजीटिव आया। जबकि अन्य 5 हमलावरों का कोरोना रिपोर्ट नेगेटिव आयाद्य हमलावरों का कोरोना रिपोर्ट पोजिटव आने पर कारेलीबाग पुलिस थाने को सेनेटाइझ किया गया। पीएसआई समेत 4 पुलिस कर्मियों को कोरोन्टाइन किया गया है। अभी भी कुछ हमलावर पुलिस की गिरफ्त से दूर हैद्य पुलिस पर हमले का मास्टर माइंड नजीर सिंधी व भाई बापु अभी भी फरार है ।

साबरमती जेल में दी कोरोना ने दस्तक, दो कैदी के कोरोना रिपोर्ट पोजिटिव

अहमदाबाद । शहर के साबरमती जेल में भी कोरोना वायरस ने दस्तक दी है। दो कैदी के कोरोना रिपोर्ट पोजिटिव आने पर पुलिस बेडे में हडकम्प मच गया है।

राज्य में कोरोना वायरस का कहर लगातार जारी हैद्य राज्य में आज 226 कोरोना के केस दर्ज हुए जबकि 19 लोगों की मौत हो गई और 40 लोगों को डिस्चार्ज किया गयाद्य आज अहमदाबाद शहर में आज कोरोना वायरस के नए 164 केस दर्ज हुए।

अहमदाबाद में अब तक कोरोना वायरस के कुल 2543 केस दर्ज हो चुके हैद्य कोरोना वायरस की चपेट में अब कोरोना वोरियर्स भी आ रहे हैद्य कोरोना ने अब साबरमती जेल में भी दस्तक दे दी हैद्य साबरमती जेल में दो कैदी का कोरोना रिपोर्ट पोजीटिव दर्ज हुआद्य जेल से पेरोल पर बाहर निकले दो कैदी के पेरोल खत्म होने पर पुलिस कस्टडी में लेने से पहले कोरोना टेस्ट किया गया जिसमें दोनों कैदी के कोरोना रिपोर्ट पोजीटिव दर्ज हुआ। पोक्सो केस के आरोपी व एक अन्य कैदी का भी कोरोना रिपोर्ट पोजीटिव दर्ज किया गया। दोनों कैदी को उपचार के लिए सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गयाद्य कैदी के संपर्क में आए पुलिस कर्मियों को भी होम कोरोन्टाइन किया गया ।

कोरोना को मात देने म्युनिसिपल कमिश्नर ने बनाया थ्री ''एस'' प्लान

अहमदाबाद। गुजरात में खासकर अहमदाबाद में तेजी से बढ़ रहे कोरोना मामलों से निपटने के लिए म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन आयुक्त ने थ्री ''एस'' प्लान बनाया है। जिसमें सुपर स्प्रेडर्स, स्लम और सीनियर सिटीजन पर खास ध्यान केन्द्रीय किया जाएगा

अहमदाबाद महानगर पालिका आयुक्त विजय नेहरा ने आज मीडिया से बातचीत में कहा कि शहर में फिलहाल कोरोना के 2016 केस हैं, जिसमें 1988 की हालत स्थिर है और 28 मरीज वेन्टीलेटर पर हैं। आज 29 मरीजों के स्वस्थ होने के बाद उन्हें अस्पताल से डिस्चार्ज किया गया है । अहमदाबाद में अब तक कुल 241 लोगों को ठीक होने के बाद अस्पताल से छुट्टी दी जा चुकी है । अहमदाबाद के एसवीपी में 748 और सिविल अस्पताल में 533 मरीज उपचाराधीन हैंद्य विजय नेहरा ने बताया कि अहमदाबाद के मध्य जोन में कोरोना के सबसे ज्यादा 911 केस हैं । शहर के 42 वार्ड ऑरेन्ज जोन में हैं। अब तक शहर में 7.60 लाख घरों में 32 लाख लोगों को सर्वे किया जा चुका हैद्य क्लस्टर क्षेत्र में 670 टीमें नियमित 1 लाख घरों में सर्वे कर रही हैं। उन्होंने बताया कि अब तक शहर में 23702 टेस्ट किए हैं, जो पर मिलियन 3950 टेस्ट हैंद्य नेहरा ने बताया कि अहमदाबाद के जमालपुर, खाडिया, दरियापुर और शाहपुर समेत 6 इलाके रेड जोन में हैं और शेष 42 क्षेत्र यलो जोन में हैंद्य कोरोना से सबसे अधिक प्रभावित अहमदाबाद के लिए राहत की बात यह है कि शहर में कोरोना का डबलिंग रेट कम हुआ है और अब डबलिंग रेट 8 पर पहुंच गया हैद्य डबलिंग रेट को 11 से 12 दिन करने के प्रयास किए जा रहे हैंद्य उन्होंने कहा कि अहमदाबाद में कोरोना से मृत्यु दर में भी कमी आई हैद्य अहमदाबाद में कल से नियमित कोरोना के 4000 टेस्ट किए जाएंगेद्य थ्री एस प्लान की जानकारी देते हुए विजय नेहरा ने बताया कि अब सुपर स्प्रेडर्स, स्लम और सीनियर सिटीजन पर विशेष ध्यान दिया जाएगाद्य उन्होंने बताया कि म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन संचालित शहर के एलजी अस्पताल में ऑर्थोपेडिक को छोड़ ओपीडी समेत इमर्जंसी सेवा शुरू हो गई है ।

कांग्रेस की एक ओर नगर पार्षद कोरोना की चपेट में

अहमदाबाद । शहर के बेहरामपुरा से एक और कांग्रेस पार्षद की कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव आने के बाद उन्हें शहर के एसवीपी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बता दें कि रविवार की इसी क्षेत्र के कांग्रेस पार्षद बदरुद्दीन शेख की कोरोना से मौत हो गई थी।। गुजरात में कोरोना पॉजिटिव केसों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। सबसे ज्यादा गंभीर स्थित अहमदाबाद की है। जहां राज्य के कुल मामलों में 65 फीसदी केस केवल अहमदाबाद के हैं। गुजरात में 3548 कोरोना पॉजिटिव केसों में अब तक 2378 मामले केवल अहमदाबाद में दर्ज हो चुके हैंद्य राज्य में कोरोना से 162 लोगों की मौत हो चुकी है और उसमें आधी मौत अहमदाबाद में हुई है। राज्य में कोरोना को मात देकर स्वस्थ होने वाले लोगों की संख्या 397 है। अहमदाबाद के होटस्पोट से कोरोना के सबसे अधिक मामले सामने आ रहे हैंद्य होटस्पोट घोषित बेहरामपुरा से कांग्रेस के एक और नगर पार्षद की रिपोर्ट कोरोना पॉजिटिव आई हैद्य बेहरामपुरा की पार्षद कमलाबेन चावड़ा को घबड़ाहट की शिकायत के बाद शहर के एसवीपी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। जहां उनकी कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। इससे पहले बेहरामपुरा के कांग्रेस पार्षद बदरुद्दीन शेख की रविवार की रात कोरोने से मौत हो गई थीद्य शेख का 14 अप्रैल से एसवीपी अस्पताल में उपचार चल रहा थाद्य बदरुद्दीन के अलावा खाडिया–जमालपुर क्षेत्र के कांग्रेस विधायक इमरान खेडावाला भी कोरोना की चपेट में आ गए थेद्य हांलाकि कोरोना को मात देकर इमरान खेडावाला ठीक हो चुके हैं और उन्हें सोमवार को एसवीपी अस्पताल से छुट्टी मिल गई

गुजरात में नहीं थम रही कोरोना की रफ्तार, 226 नए केस, 19 मरीजों की मौत – राज्य में कोरोना का आंकड़ा पहुंचा 3774 पर, केवल अहमदाबाद में 2543 मामले

अहमदाबाद । गुजरात में कोरोना का कहर लगातार बढ़ता जा रहा है। खासकर अहमदाबाद में कोरोना की रफ्तार थम नहीं रही हैद्य पिछले गुजरात में 226 नए केसों के साथ राज्य में कोरोना का आंकडा 3774 पर पहुंच गई हैद्य 24 घंटों में राज्य में और 15 मरीजों की मौत हो गई और 40 लोगों के ठीक होने के बाद अस्पताल से डिस्चार्ज कर दिया गया ।

स्वास्थ्य विभाग की प्रमुख सचिव डॉ. जयंति रवि ने बताया कि पिछले 24 घंटों में राज्य में कोरोना के कुल 226 नए मामले सामने आए हैंद्य जिसमें अहमदाबाद में 164, आणंद में 9, भरुच में 2, भावनगर में 1, बोटाद में 6, गांधीनगर में 6, राजकोट में 9, सूरत में 14 और वडोदरा के 15 मामले शामिल हैं। पिछले 24 घंटों ने कोरोना से राज्य में 19 मरीजों की मौत हुई है और ये सभी मरीज अहमदाबाद के थे। जिसमें 5 महिला और 14 पुरुष शामिल हैंद्य पिछले 24 घंटों में 40 लोगों के ठीक होने के बाद अस्पताल से डिस्चार्ज किया गया है। जिसमें अहमदाबाद के 29, आणंद के 3, भावनगर के 1, बोटाद के 2, छोटाउदेपुर के 2, कच्छ के 1 और वडोदरा में 2 लोगों को ठीक होने के बाद अस्पताल छुट्टी दी गई है। उन्होंने बताया कि राज्य में अब तक 56101 टेस्ट किए गए, जिसमें 3774 की रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। जबकि 52327 लोगों की रिपोर्ट नेगेटिव आई है। कुल 3774 मामलों में 3125 मरीजों की हालत स्थिर है और 34 मरीज वेन्टीलेटर पर हैं। जबकि 181 मरीजों की मौत हो चुकी है और 434 लोगों को ठीक होने के बाद अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है। राज्य में कुल 41417 लोग कोरन्टाइन हैंद्य जिसमें 38000 होम कोरन्टाइन, 3181 सरकारी कोरन्टाइन और 236 प्राइवेट फैसिलिटी में कोरन्टाइन हैं। जयंति रवि ने गुजरात में कोरोना के सबसे अधिक 2543 केस केवल अहमदाबाद में दर्ज हुए हैं। वडोदरा में 255, सूरत में 570, राजकोट में 55, भावनगर में 41, आणंद में 60, भरुच में 31, गांधीनगर में 36, पाटन 17, पंचमहल में 20, बनासकांठा में 28, नर्मदा में 12, छोटाउदेपुर में 13, कच्छ में 6, मेहसाणा में 7, बोटाद में 19, पोरबंदर में 3, दाहोद में 4, गिर सोमनाथ में 3, खेडा में 6, जामनगर में 1, मोरबी में 1, साबरकांठा में 3, अरवल्ली में 18, महीसागर में 10, तापी में 1, वलसाड में 5, नवसारी में 3, डांग में 2 और सुरेन्द्रनगर में अब तक कोरोना का एक केस सामने आया हैद्य राज्य में कोरोना से अब तक 181 मरीजों की मौत हो चुकी है और 434 लोग ठीक हो चुके हैं।

सूरत में लॉकडाउन लागू करा रही पुलिस पर लोगों ने की पत्थरबाजी, पुलिसकर्मी जख्मी

सूरत । हीरो का नगरी के नाम से प्रसिद्ध गुजरात के सूरत शहर में मंगलवार की सुबह लॉकडाउन लागू कराने का प्रयास कर रहे सुरक्षाकर्मियों पर कुछ स्थानीय लोगों ने कथित तौर पर पत्थरबाजी की जिसके चलते एक पुलिसकर्मी घायल हो गया। सूरत के पुलिस उपायुक्त आरपी बरोत ने बताया कि पुलिसकर्मियों पर हमला करने के आरोप में पांच लोगों को हिरासत में लिया गया है। उन्होंने कहा कि कोरोना वायरस प्रकोप के मद्देनजर डिंडोली इलाके में एक स्थान पर बंद को प्रभावी बनाने के लिए पीसीआर वैन के पहुंचने पर कुछ स्थानीय लोग भड़क गए। बरोत ने कहा, हमें जब पता चला कि इलाके में लोग घूम रहे हैं और बंद के नियमों का पालन नहीं कर रहे हैं तो हमने वहां एक पीसीआर वैन भेजी। पुलिस ने जब लोगों से घर के भीतर रहने को कहा तो कुछ लोग भड़क गए और उन्होंने पुलिसकर्मियों पर पत्थर फेंकने शुरू कर दिए। उन्होंने बताया कि घटना में एक पुलिसकर्मी को चोट आई है। बरोत ने बताया कि पांच लोगों को हिरासत में लिया गया है। साथ ही कहा कि इलाके में अतिरिक्त पुलिस बल भेजा गया है और स्थिति नियंत्रण में है।

डिंडोली में पुलिस टीम पर पथराव, दो पुलिसकर्मी घायल

सूरत के डिंडोली क्षेत्र में गश्ती पुलिस दल पर स्थानीय लोगों के पथराव से माहौल तंग हो गया एक घंटे चले इस घर्षण में दो पुलिसकर्मी घायल हो गए, जिन्हें अस्पताल में उपचार के लिए भर्ती कराया गया है। इस घटना में पुलिस वाहनों को भी नुकसान हुआ हैद्य पुलिस ने मामला दर्ज कर पथराव करने वाले शख्सों की गिरफ्तार करने की दिशा में कार्यवाही शुरू की है।

गुजरात में अहमदाबाद के सबसे ज्यादा कोरा. `ना पॉजिटिव के केस सूरत में दर्ज हुए हैं। सूरत में कोरोना पॉजिटिव का आंकड़ा 564 पर पहुंच गया। कोरोना संक्रमण को रोकने के लिए पुलिस लॉकडाउन का सख्ती से अमल कराने में लगी हुई है और लोगों से घर में रहने की अपील कर रही है। इसके बावजूद लोग लॉकडाउन का उल्लंघन करने से बाज नहीं आ रहे। सूरत के डिंडोली क्षेत्र ठाकोरनगर में सुबह के वक्त पुलिस गश्त पर थी। उस वक्त चार–पांच युवक घर से सब्जी लेने निकले थे। पीसीआर वैन देख इन चार–पांच मेंसे एक युवक अचानक भागने लगा। भागते भागते युवक एक कुंडी में जा गिरा और घायल हो गया। घटना को देख रहे आसपास के लोग तुरंत युवक के पास पहुंच गए। स्थानीय लोगों को लगा कि पुलिस ने युवक की पिटाई की हैद्य जिसे लेकर स्थानीय लोगों ने पुलिस पर पथराव शुरू कर दिया और माहौल तंग हो गयाद्य खबर लगते ही पुलिस के आला अफसर भी मौके पर पहुंच गए और मामला शांत करवाया तथा क्षेत्र में सुरक्षा बढ़ा दी। पथराव में दो पुलिसकर्मी घायल हो गए, जिन्हें उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया हैद्य पथराव से पुलिस वैन को भी नुकसान हुआ है। पुलिस ने मामला दर्ज कर पथराव करने वाले लोगों की गिरफ्तार करने की कार्यवाही शुरू की है।

कन्टेइनमेन्ट जोन में वाहन पर प्रतिबंध– कमिशनर

अहमदाबाद । शहर पुलिस कमिशनर आशिष भाटिया ने मीडिया को जानकारी देते हुए कहा कि कन्टेइन्मेन्ट इलाकों में कोरोना वायरस के अधिक केस सामने आ रहे हैद्य कमिशनर ने कन्टेइनमेन्ट जोन में वाहन ले जाने पर रोक लगा दी है।

राज्य में कोरोना वायरस का कहर जारी है। कोरोना वायरस के चलते पुलिस द्वारा लोकडाउन का कड़ा अमल करा रही हैद्य अहमदाबाद पुलिस कमिशनर ने मीडिया को जानकारी देते हुए कहा कि कोरोना संदर्भ में पुलिस ने लोकडाउन का उल्लंघन के कुल 7798 केस दर्ज किए है। अब 15224 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। शहर में 28 ड्रोन की मदद से एक ही दिन में 22 केस दर्ज कर 40 आरोपी को गिरफ्तार किया जा चुका है। पुलिस कर्मी भी कोरोना वायरस की चपेट में आए है। अब तक कोरोना पोजिटिव 14 पुलिस कर्मी स्वस्थ होने पर उन्हें छुट्टी दे दी गई है। सबसे पहले कोरोना पोजिटिव दर्ज हुए पुलिस कर्मी संदीप परमार को भी छुट्टी दे गई। कमिशनर ने आगे बताया कि अभी भी 97 पुलिस कर्मी अस्पताल में है। उसमें से 36 स्थानीय पुलिस एसआरपी जवान है। 500 पुलिस कर्मी होम कोरोन्टाइन है। जो भी पुलिस कर्मी होम कोरोन्टाइन है उनके लिए एसओएस सिस्टम कार्यरत है। एसओएस एप्लिकेशन की मदद से संपर्क किया जाएगा और दवाइ भी हासिल कर सकेंगे। अभी सीनियर सिटीजन इस एप्लिकेशन का उपयोग कर रहे हैद्य 80 वर्ष से अधिक 10 सीनियर सिटीजन को मोबाइल दिया गया हैद्य आशिष भाटिया ने आगे कहा है कि कन्टेइन्मेन्ट जोन में अधिक केस दर्ज हो रहे है। पुलिस द्वारा लोकडाउन का कठोरता से पालन कराया जा रहा है। दाणीलीमडा में चिकन की दुकान खुली रखनेवाले शख्स के खिलाफ केस दर्ज हुआ है। घाटलोडिया में जुआ खेलते हुए 7 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। इसके अलावा सोशल डिस्टन्स का पालन न होने के भी केस दर्ज हो चुके है। अहमदाबाद के प्रथम पुलिस कर्मी संदिप परमार जो कि कोरोना संक्रमित हुए थे। लंबे इलाज के बाद संदिप परमार स्वस्थ होने पर पुलिस कर्मियों में खुशी की लहर दौड़ गई हैद्य संदिप परमार कालुपुर पुलिस थाने में फर्ज निभा रहे थे वहां उनका भव्य स्वागत किया गया ।

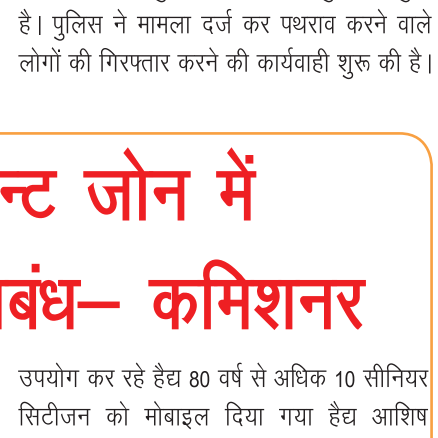

दुकानदार सोशल डिस्टन्सिग का पालन करें और ग्राहकों से करवाएं : डीजीपी

अहमदाबाद । गुजरात के पुलिस महानिदेशक शिवानंद झा ने जिन दुकानदारों को छूट मिली है उन्हें सोशल डिस्टन्सिग का पालन करने के साथ ही ग्राहकों से भी पालन कराने की कड़ी हिदायत दी है। साथ ही दुकान पर भीड़ होने पर कार्रवाई की चेतावनी भी दी है।

शिवानंद झा ने पीएम मोदी के ''घर में रहें, सुरक्षित रहें, स्वस्थ रहें'' और जिम्मेदार बनें व जिम्मेदार बनाएं का उल्लेख करते हुए कहा कि राज्य के अहमदाबाद, वडोदरा, सूरत और राजकोट में कोरोना का संक्रमण अधिक होने से इन चारों महानगरों में लॉकडाउन का सख्ती से अमल कराया जा रहा है । जीवनावश्यक चीजवस्तुओं की दुकानों को छोड़ अन्य कोई दुकानें खुलने पर कार्रवाई की जा रही है। कोरोना होटस्पोट के तौर पर घोषित कन्टेन्मेन्ट इलाकों में बेरिकेड लगाकर आसपास के क्षेत्रों के लोगों की आवाजाही पर रोक लगा दी गई है। ताकि कोरोना संक्रमण की संभावनाओं का कम किया जा सकेद्य राज्य के जिन चार महानगरों में दुकानें खोलने की छूट दी गई है वहां सोशल डिस्टन्सिग पर पुलिस नजर रख रही है। पुलिस महानिदेशक ने दुकानदारों को मास्क पहनने और सोशल डिस्टन्सिग का पालन करने और ग्राहकों से पालन कराने की हिदायत दी है। वर्ना दुकानदार खुद सुपरस्प्रेडर बन सकते हैं और अन्य लोगों को भी नुकसान पहुंचा सकते हैं । उन्होंने कहा कि जहां भीड़ होगी या सतर्कता नहीं बर्ती गई तो कानूनी कार्रवाई की जाएगीद्य राज्य में कई जगह देर रात और सुबह लोगों की भीड़ जमा होने का पता चला है, जिसे देखते हुए इन सभी इलाकों में पुलिस गश्त बढ़ाने का आदेश दिया गया। तबलिगी जमात के दो मामलों की जानकारी देते हुए शिवानंद झा ने बताया कि भरुच जिले के कुछ लोग गत 17 मार्च को दहेज से भावनगर रो रो फेरी में गए थेद्य जिसमें 6 लोग लॉकडाउन के बाद निजी बस के जरिए लौट आए थेद्य इन लोगों के खिलाफ भरुच के पालेज पुलिस थाने में मामला दर्ज किया गया है। जबकि अन्य एक घटना में 7 लोगों के निजी बस के जरिए भावनगर से भरुच के वातरसा गांव लौटने पर आमोद पुलिस थाने में मामला दर्ज किया गया हैद्य उन्होंने कहा कि कड़ी धूप के बीच मजबूत मनोबल के साथ पुलिस जवान लॉकड़ाउन में ड्यूटी पर डटे हुए हैं। जो पुलिसकर्मी कोरोना से संक्रमित हुए थे वह उपचार के बाद स्वस्थ होकर वापस ड्यूटी पर लौट आए हैं। जबकि जो पुलिस जवान अब भी उपचाराधीन हैं उनकी तबियत भी स्थिर है और वरिष्ठ अधिकारी नियमित उनके स्वास्थ्य संबंधी जानकारी प्राप्त कर रहे हैंद्य झा ने बताया कि राज्यभर में ड्रोन, सीसीटीवी और एएनपीआर से नजर रखी जा रही हैद्य ड्रोन सर्वेलन्स के माध्यम से 9489 मामले दर्ज कर 18661 लोगों को गिरफ्तार किया गया हैद्य स्मार्ट सिटी एवं विश्वास प्रोजेक्ट के तहत सीसीटीवी नेटवर्क के जरिए 74 मामले दर्ज कर 95 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। सीसीटीवी के माध्यम से 1834 मामले दर्ज कर 2808 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। इसी प्रकार सोशल मीडिया पर अफवाह फैलाने के अब तक 525 मामले दर्ज कर 1075 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है और 13 एकाउन्ट्स बंद किए गए हैं। उन्होंने बताया कि लॉकडाउन का उल्लंघन करने पर कल अब तक 2176 केस, कोरन्टाइन व्यक्ति द्वारा नियमों का उल्लंघन करने 1148 और 564 अन्य मामलों के तहत 4868 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। साथ ही पुलिस ने 8267 भी जब्त किए गए हैंद्य इसके अलावा राज्य में अब तक डिटेइन किए गए 127822 वाहनों को मुक्त किया गया है।

90 वर्षीय वृद्ध ने कोरोना को मात दी, अस्पताल से मिली छुट्टी

भावनगर । गुजरात में कोरोना के केस तेज रफ्तार से बढ़ रहे हैं। खासकर अहमदाबाद और सूरत में गंभीर स्थिति हैद्य कोरोना मासूम बच्चों से लेकर वृद्धों को भी अपना शिकार बना रहा है। हांलाकि इसमें कई लोग ऐसे भी जो कोरोना को मात देकर ठीक भी हो चुके हैं। भावनगर में ऐसे ही 90 वर्षीय वृद्ध हैं जो कोरोना के खिलाफ जंग जीतकर अपने घर लौट गए. भावनगर के मढियाफली में रहनेवाले 90 वर्षीय रसूलभाई महमदभाई राठौड़ की 5 अप्रैल को कोरोना पॉजिटिव आने के बाद उन्हें सरटी अस्पताल के आइसोलेशन वार्ड में भर्ती किया गया थाद्य जहां तबियत में सुधार के बाद उन्हें 20 अप्रैल को अन्य वार्ड में रखा गया। जिसके बाद वृद्ध की दो रिपोर्ट नेगेटिव आने के बाद उन्हें आज अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। कोरोना को मात देने वाले 90 वर्षीय वृद्ध को अस्पताल के स्टाफ ने तालियां बजाकर बिदा कियाद्य फिलहाल वृद्ध को होमकोरन्टाइन रहना होगा। भावनगर में अब तक 21 लोग ठीक हो चुके हैं।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)